सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 137 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शनिवार 28 फरवरी 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

छत्तीसगढ़ में आईएएस अफसरों के तबादले, कई अधिकारियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन ने प्रशासनिक ढांचे में फेरबदल करते हुए आईएएस अधिकारियों के तबादले और अतिरिक्त प्रभार संबंधी आदेश जारी किए हैं। इस आदेश के तहत कई अधिकारियों को नई जिम्मेदारियां दी गई हैं, जबकि कुछ को उनके वर्तमान पद पर ही बरकरार रखा गया है। बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के कलेक्टर दीपक सोनी को केंद्रीय प्रतिनियुक्ति के लिए कार्यमुक्त कर दिया गया है। उनकी जगह 2014 बैच के आईएएस कुलदीप शर्मा को कलेक्टर नियुक्त किया गया है। इसी क्रम में 2006 बैच के आईएएस डॉ. सीआर प्रसन्ना को उनके वर्तमान दायित्वों के साथ आयुक्त, सहकारिता एवं रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। तीर्थराज अग्रवाल को योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग में उप सचिव बनाते हुए धर्मस्व एवं धार्मिक न्यास विभाग का अतिरिक्त दायित्व सौंपा गया है। आईएएस लीना कोसम को लोक सेवा आयोग, नवा रायपुर में परीक्षा नियंत्रक बनाया गया है।

राजधानी में जांच के दौरान एक्टिवा से 75 लाख नकद जब्त

रायपुर। राजधानी रायपुर में चल रहे विशेष जांच अभियान के दौरान पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। रायपुर पुलिस कमिश्नरेट की एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट और थाना आजाद चौक की संयुक्त टीम ने समता कॉलोनी में चेकिंग के दौरान एक युवक से 75 लाख रुपये नकद बरामद किए। 27 फरवरी को एमसीपी प्वाइंट पर संदिग्ध वाहनों की जांच की जा रही थी। इसी दौरान एक एक्टिवा को रोका गया। वाहन में रखे बड़े बैग की तलाशी लेने पर पुलिस को भारी मात्रा में नकदी मिली। वाहन चला रहे युवक ने अपना नाम मिलन शर्मा (25) बताया, जो समता कॉलोनी का निवासी है। पूछताछ में युवक नकदी के संबंध में कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। पुलिस के अनुसार उसके बयान भी स्पष्ट नहीं थे। इसके बाद टीम ने 75 लाख रुपये, चार मोबाइल फोन और वाहन जब्त कर लिया।

किसानों के खाते में 10 हजार 324 करोड़ होली से पहले खिले अन्नदाताओं के चेहरे

श्रीकंचनपथ न्यूज

कृषक उन्नति योजना के तहत 25 लाख से ज्यादा किसानों को मिली अंतर की राशि

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने अपने वादे के अनुसार होली के पहले प्रदेश के लाखों किसानों को तोहफा दिया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय बिलासपुर जिले के बिल्हा विकासखण्ड स्थित रहंगी खेल मैदान में आयोजित वृहद किसान सम्मेलन में कृषक उन्नति योजना के तहत राज्य के 25 लाख 28 हजार किसानों को 10 हजार 324 करोड़ रुपए की आदान सहायता उनके बैंक खातों में भेजी। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में केन्द्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, उपमुख्यमंत्री अरूण साव एवं विजय शर्मा, कृषि मंत्री रामविचार नेताम उपस्थित रहे।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार ने बीते दिनों यह निर्णय लिया था कि किसानों को धान के मूल्य के अंतर की राशि होली से पहले एकमुश्त दी जाएगी। 28 फरवरी को सरकार ने अपने संकल्प के अनुसार किसानों के खातों में राशि ट्रांसफर कर दी। इसके साथ ही किसानों के लिए होली के त्यौहार का आनंद भी दोगुना हो गया।

कृषक उन्नति योजना के तहत राशि ट्रांसफर

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा किसानों को उनके धान का उचित मूल्य देने के लिए कृषक उन्नति योजना संचालित की जा रही है। इस योजना के तहत छत्तीसगढ़ सरकार किसानों को धान का 3100 रुपए प्रति क्विंटल मूल्य दे रही है, जो देश में सर्वाधिक है। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में राज्य में 25 लाख 28 हजार किसानों को समर्थन मूल्य पर 141 लाख मीट्रिक टन धान का उपार्जन किया गया है। इस योजना का लाभ धान बेचने वाले सभी किसानों को दिया गया। कृषक उन्नति योजना के तहत राज्य के किसानों को 35 हजार करोड़ रुपए से अधिक की मदद आदान सहायता के रूप में दी गई है।

अब तक डेढ़ लाख करोड़ से ज्यादा की राशि ट्रांसफर

समर्थन मूल्य पर धान खरीदी, कृषक उन्नति योजना एवं अन्य किसान हितैषी योजनाओं को मिलाकर राज्य के अन्नदाताओं को अब तक 1.50 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि सीधे उनके बैंक खाते में अंतरित की गई है। छत्तीसगढ़ सरकार ने इस साल के बजट में किसान मजदूरों को बीमा कव्हरेज देने का भी प्रावधान किया है। दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना के तहत सरकार ने 600 करोड़ और किसानों के सिंचाई पंपों को निःशुल्क बिजली देने के लिए 5500 करोड़ रुपए की व्यवस्था बजट में की है। सरकार ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के लिए 820 करोड़ रुपए का भी बजट में किया है। छत्तीसगढ़ सरकार की किसान हितैषी नीतियों के चलते राज्य में खेती- के प्रति किसानों का रूझान लगातार बढ़ रहा है और सरकार से मिल रहे प्रोत्साहन के चलते खेती में बढ़-चढ़कर निवेश भी कर रहे हैं।

छत्तीसगढ़ में एक से सात मार्च तक मनाया जाएगा जन औषधि सप्ताह

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। देशभर में 1 मार्च से 7 मार्च तक जन औषधि सप्ताह मनाया जाएगा, जिसका समापन 7 मार्च को जन औषधि दिवस के रूप में होगा। इस वर्ष समारोह की थीम जन औषधि ङ्क सस्ती भी, भरोसेमंद भी है, जो प्रत्येक नागरिक को किफायती दरों पर गुणवत्तापूर्ण दवाएं उपलब्ध कराने की भारत सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। सप्ताह भर के कार्यक्रमों का आयोजन पीएमबीआई द्वारा, रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के औषधि विभाग के अंतर्गत पीएमबीजेपी के तहत किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ में सप्ताह भर विभिन्न जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जाएंगी, जिनका उद्देश्य जन औषधि केंद्रों के माध्यम से उपलब्ध गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाओं के लाभों के प्रति आम जनता को जागरूक करना है। 1 मार्च से 5 मार्च 2026 तक राज्य के विभिन्न स्थानों पर स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाएंगे। 6 मार्च 2026 को रायपुर में जन औषधि पदयात्रा आयोजित की जाएगी, जिसका उद्देश्य आम नागरिकों को जन औषधि केंद्रों से सस्ती एवं गुणवत्तापूर्ण दवाएं खरीदने के लिए प्रेरित करना है। 7 मार्च 2026 को रायपुर में 8वां जन औषधि दिवस का मुख्य राज्य स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें जनप्रतिनिधि, स्वास्थ्य विशेषज्ञ, अधिकारी एवं लाभार्थी भाग लेंगे।

बिलासपुर में रिंग रोड परियोजना को केंद्र से हरी झंडी

नेशनल हाईवे को मिलेगी सीधी कनेक्टिविटी

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। केन्द्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू के प्रयासों से केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने 32 किलोमीटर लंबी 'बिलासपुर रिंग रोड' परियोजना को अपनी स्वीकृति प्रदान कर दी है। इस संबंध में गडकरी ने पत्र लिखकर सांसद तोखन साहू को अवगत कराया है।

लगभग 32 किमी लंबी यह रिंग रोड बोदरी से प्रारंभ होकर सेंदरी गांव तक निर्मित होगी। यह मार्ग उच्च न्यायालय और बिलासपुर हवाई अड्डे को कोरबा, कटघोरा और सीपत जैसे प्रमुख औद्योगिक नगरों से सीधा संपर्क प्रदान करेगा। शहर के मध्य से गुजरने वाले एनएच-49 और एनएच-130 के भारी वाहनों को अब शहर के बाहर से ही सुगम 'बायपास' प्राप्त होगा। इससे बिलासपुर में भारी वाहनों के दबाव से नागरिकों को स्थाई राहत मिलेगी।

साउथ एशिया ट्रैवल एंड टूरिज्म एक्जिबिशन में छाया छत्तीसगढ़

नई दिल्ली में सीजी पर्यटन बोर्ड का सशक्त प्रदर्शन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ ने एक बार फिर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराते हुए नई दिल्ली स्थित यशोभूमि में आयोजित साउथ एशिया ट्रैवल एंड टूरिज्म एक्जिबिशन में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की। 25 से 27 फरवरी तक आयोजित इस प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय मंच पर छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल द्वारा स्थापित भव्य पवेलियन आकर्षण का केंद्र रहा।

तीन दिवसीय इस आयोजन में पर्यटन मंडल के साथ पंजीकृत 36 स्टेकहोल्डर्स संस्थाओं ने संयुक्त रूप से भाग लेकर राज्य की पर्यटन संभावनाओं को देश-विदेश के टूर ऑपरेटर्स, होटलियर्स और ट्रैवल विशेषज्ञों के समक्ष पेश किया। बस्तर की विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान, इको-टूरिज्म मॉडल, जलप्रपातों और घने वनों से आच्छादित प्राकृतिक स्थलों की प्रस्तुति ने सराहना प्राप्त की। पवेलियन पर विभिन्न राज्यों एवं श्रीलंका, नेपाल और भूटान सहित अन्य देशों से आए प्रतिनिधियों की आवाजाही बनी रही, जिससे छत्तीसगढ़ के प्रति उत्सुकता और संभावित निवेश अवसरों को बल मिला।

प्रदर्शनी के दौरान स्टेकहोल्डर्स को सकारात्मक व्यावसायिक प्रतिसाद प्राप्त हुआ तथा कई संभावित साझेदारियों पर प्रारंभिक चर्चा भी हुई। पर्यटन विशेषज्ञों ने छत्तीसगढ़ को 'इमर्जिंग डेस्टिनेशन' के रूप में रेखांकित करते हुए इसकी अप्रयुक्त संभावनाओं की सराहना की। राज्य में हाल के वर्षों में विकसित हो रहे इको-रिसॉर्ट्स, हेरिटेज प्रॉपर्टीज, जनजातीय पर्यटन सर्किट और फिल्म पर्यटन गतिविधियों ने भी आगंतुकों का ध्यान आकर्षित किया।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर छत्तीसगढ़ की सशक्त उपस्थिति राज्य के पर्यटन भविष्य के लिए अत्यंत शुभ संकेत है। छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड की डीजीएम पूनम शर्मा ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन प्रदर्शनी में छत्तीसगढ़ की मजबूत उपस्थिति राज्य के लिए गौरव का विषय है।

छत्तीसगढ़ में बढ़ेगा पारा, अगले छह दिन में 4 डिग्री बढ़ेगा तापमान

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मौसम अब तेजी से करवट ले रहा है और आने वाले दिनों में गर्मी का असर स्पष्ट रूप से महसूस किया जाएगा। मौसम विभाग ने अनुमान जताया है कि प्रदेश के अधिकतम तापमान में अगले छह दिनों के दौरान चार डिग्री तक वृद्धि हो सकती है। न्यूनतम तापमान में हल्की बढ़ोतरी का क्रम जारी रहने की संभावना है। पिछले 24 घंटों के दौरान प्रदेश में कहीं भी वर्षा दर्ज नहीं की गई, जिससे मौसम पूरी तरह शुष्क बना रहा। शुक्रवार को सबसे अधिक अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस राजनांदगांव में रिकॉर्ड किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान 11.1 डिग्री सेल्सियस अंबिकापुर में दर्ज हुआ।

अफगानिस्तान ने पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों पर बरसाए बम

एक के बाद एक कई बम धमाके, साझा किया वीडियो

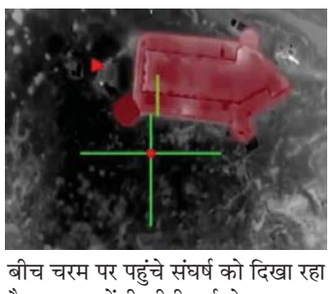

काबुल ए.। पाकिस्तान और अफगानिस्तान खुली जंग छिड़ गई है। पाकिस्तान को तालिबान करारा जबाव दे रहा है। दिन के उजाले में हमले के बाद तालिबान भी चुप नहीं है। इस बीच अफगानिस्तान के तालिबान के नेतृत्व वाले रक्षा मंत्रालय ने एक वीडियो साझा किया है, जिसमें साफ देखा जा सकता है कि कैसे एक के बाद कई पाकिस्तान के सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया है।

शुक्रवार को जारी किए गए एक वीडियो में पाकिस्तानी ठिकानों पर हमले दिखाए गए हैं, जो दोनों पड़ोसी देशों के बीच चरम पर पहुंचे संघर्ष को दिखा रहा है। न्यूज एजेंसी पीटीआई ने एक्स पर वीडियो साझा किया है, जो कि तालिबान रक्षा मंत्रालय से जुड़ा है। अफगानिस्तान के तालिबान रक्षा मंत्रालय से संबंधित इस फुटेज को मौजूदा तनाव के बीच की गई जवाबी कार्रवाई के सबूत के रूप में बताया जा रहा है। मंत्रालय का दावा है कि यह वीडियो उसकी नवीनतम सैन्य कार्रवाई को दर्शाता है।

वीडियो में रात के समय हवाई हमले के फुटेज दिखाई दे रहे हैं, जिनमें पहाड़ी इलाकों में विस्फोटों की चमक और पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों पर लक्षित हमले शामिल हैं। हालांकि इन दृश्यों की प्रामाणिकता और सटीक स्थान की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं की जा सकी। लेकिन यह वीडियो ऐसे समय में जारी किया गया है, जब दोनों तरफ से हमले जारी हैं। इससे पहले अफगानिस्तान भर में पाकिस्तान ने व्यापक हवाई बमबारी की, जिसमें 29 स्थानों को निशाना बनाया गया था।

राजधानी रायपुर में यूथ कांग्रेस नेता के घर के बाहर दो कारों में आगजनी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर में सियासी हलचल के बीच आगजनी की बड़ी घटना सामने आई है। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की युवा इकाई से जुड़े नेता विनोद कश्यप के घर के बाहर खड़ी दो कारों को अज्ञात बदमाशों ने देर रात आग के हवाले कर दिया।

घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और आसपास के लोग घरों से बाहर निकल आए। कुछ लोग मौके पर संदिग्ध हालत में देखे गए थे। स्थानीय निवासियों का कहना है कि बदमाशों ने कारों पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगाई, जिसके बाद लपटें तेजी से फैल गईं। दमकल की टीम को सूचना दी गई, जिन्होंने पहुंचकर आग पर काबू पाया।

बोलिविया में नोटों से भरा सेना का विमान हाईवे पर क्रैश, 15 लोगों की मौत, पैसे लूटने की मची होड़

ला पाज ए.। बोलिविया की राजधानी ला पाज के पास शुक्रवार को एक बड़ा विमान हादसा हो गया। एक मालवाहक (कार्गो) विमान उड़ान भरने के कुछ ही मिनट बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई। यह जानकारी दमकल विभाग के प्रमुख पावेल टोवर ने दी है।

यह हादसा उस समय हुआ जब विमान रनवे से फिसलकर पास के शहर एल आल्टो की एक हाईवे पर जा घुसा। वहां चल रही कई गाड़ियों को उसने टक्कर मार दी। अधिकारियों के मुताबिक कम से कम 15 वाहन इस दुर्घटना में क्षतिग्रस्त हुए हैं। अभी यह साफनहीं हो पाया है कि जिन लोगों की मौत हुई, वे विमान में सवार थे या सड़क पर मौजूद गाड़ियों में थे। बताया जा रहा है कि यह विमान बोलिविया वायुसेना का हरक्यूलिस विमान था, जो देश के केंद्रीय बैंक से नए छपे नोट दूसरे शहरों में ले जा रहा था।

हादसे के बाद विमान में आग लग गई, लेकिन दमकल कर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। सोशल मीडिया पर सामने आई तस्वीरों में सड़क पर विमान का मलबा, पूरी तरह तबाह गाड़ियां और बिखरे हुए नोट दिखाई दे रहे हैं। बड़ी मात्रा में नकदी एयरपोर्ट के बाहर फैल गई थी, जिसे उठाने के लिए सैकड़ों लोग मौके पर पहुंच गए। भीड़ को हटाने के लिए पुलिस को दंगा-रोधी उपकरणों का इस्तेमाल करना पड़ा।

दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू

इस गंभीर हादसे के बाद प्रशासन ने एहतियात के तौर पर एयरपोर्ट से आने-जाने वाली सभी उड़ानों को अस्थायी रूप से रोक दिया है। फिलहाल दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है और अधिकारियों का कहना है कि विस्तृत रिपोर्ट आने के बाद ही सही वजह का पता चल पाएगा।

संपादकीय

आफत से राहत

ट्रायल कोर्ट के फैसले से आप को प्राणवायु

दिल्ली की एक ट्रायल कोर्ट ने शराब नीति से जुड़े कथित भ्रष्टाचार मामले में आम आदमी पार्टी के संयोजक व दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया को आरोप मुक्त किया है। उल्लेखनीय है कि यह फैसला सीबीआई की तरफ से दायर मामले में आया है। अदालत ने सीबीआई की जांच में खामियों को उजागर करते हुए कहा कि आरोप गवाह या ठोस सबूतों पर आधारित नहीं हैं। अदालत का तर्क था कि चार्जशीट में उल्लेखित दावे तार्किक आधार नहीं रखते। उल्लेखनीय है कि अरविंद केजरीवाल के मुख्यमंत्री रहते हुए दिल्ली सरकार ने एक नई आबकारी नीति साल 2021 में लागू की थी। जिसके अंतर्गत शराब कारोबार निजी क्षेत्र को देने का निर्णय लिया गया था। तत्कालीन सरकार ने दलील दी थी कि नई नीति राज्य के राजस्व में आशातीत वृद्धि करेगी। बहरहाल, दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल और उनके डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया फिलहाल नैतिक रूप से खुद को बेहतर स्थिति में होने का दावा कर सकते हैं। उल्लेखनीय है कि ट्रायल कोर्ट ने सीबीआई द्वारा दर्ज दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति मामले में केजरीवाल तथा 21 अन्य आरोपियों को बरी कर दिया है। निश्चय ही संकट से जूझ रही आम आदमी पार्टी के लिये यह फैसला प्राणवायु जैसा साबित हो सकता है। दरअसल, कोर्ट ने इस बाबत सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि जांच एजेंसी का मामला न्यायिक जांच की कसौटी पर खरा नहीं उतरता है। कोर्ट का कहना था कि अटकलों व अनुमानों को कानूनी रूप से मान्य सबूतों के रूप में पेश नहीं किया जा सकता। बहरहाल, इस फैसले के खिलाफ सीबीआई ने दिल्ली हाईकोर्ट में अपील दायर कर दी है। इसके बावजूद ट्रायल कोर्ट का यह फैसला केजरीवाल व उनकी टीम के लिये आधी लड़ाई जीतने जैसा है। जिससे वे खुद को आम आदमी पार्टी के कोर वोटरों को अपने पाक-साफ होने का विश्वास दिलाने का प्रयास कर सकते हैं।

> “ अदालत का तर्क था कि चार्जशीट में उल्लेखित दावे तार्किक आधार नहीं रखते। उल्लेखनीय है कि अरविंद केजरीवाल के मुख्यमंत्री रहते हुए दिल्ली सरकार ने एक नई आबकारी नीति साल 2021 में लागू की थी। जिसके अंतर्गत शराब कारोबार निजी क्षेत्र को देने का निर्णय लिया गया था। तत्कालीन सरकार ने दलील दी थी कि नई नीति राज्य के राजस्व में आशातीत वृद्धि करेगी। बहरहाल, दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल और उनके डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया फिलहाल नैतिक रूप से खुद को बेहतर स्थिति में होने का दावा कर सकते हैं।

उल्लेखनीय है कि बीते साल दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा ने इस प्रकरण को अपना मुख्य मुद्दा बनाकर आम आदमी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व पर तीखे हमले बोले थे। पार्टी ने दिल्ली के मतदाताओं को यह समझाने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी कि केजरीवाल सरकार का भ्रष्टाचार विरोधी अभियान सिर्फ एक राजनीतिक प्रपंच है। बहरहाल, इन आरोपों के बीच स्वच्छ शासन का वादा करते हुए भाजपा ने 26 वर्ष के लंबे अंतराल पर दिल्ली की सत्ता में वापसी की थी, जबकि आप दूसरे स्थान पर रही थी। दिल्ली विधानसभा में मिली शिकस्त के बाद ही आप के शीर्ष नेतृत्व ने अपना पूरा ध्यान पंजाब पर लगाया था। आज पंजाब ही ऐसा राज्य है जहां आम आदमी पार्टी की सरकार बची है। भले ही ट्रायल कोर्ट के फैसले को दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दी है,लेकिन एक बात तो तय है कि निचली अदालत के आदेश के बाद आप को दिल्ली में खोये जनाधार को फिर से हासिल करने का मौका मिल सकेगा। वह अपनी पार्टी के मुख्य भ्रष्टाचार विरोधी अभियान को फिर से चलाने के लिये नैतिक बल तो हासिल कर पायी है। दरअसल, इस फैसले से जांच में अत्यधिक दखलंदाजी को लेकर कई असहज करने वाले सवाल भी उठे हैं। खासकर अदालत की वह टिप्पणी, जिसमें कहा गया कि जांच एक पूर्वनिर्धारित दिशा में चलती प्रतीत होती है। यानी जांच में उचित प्रक्रिया का उल्लंघन किया गया है। दूसरी ओर प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी ने कहा है कि आबकारी नीति मामले में जुड़ी उसकी मनी लॉन्ड्रिंग की स्वतंत्र जांच मजबूत आधार रखती है। कानून के पंडित कयास लगा रहे हैं कि यदि सीबीआई मामले में निचली अदालत के फैसले को उच्च न्यायालय द्वारा भी बरकरार रखा जाता है तो ईडी द्वारा अभियोजन की कानूनी वैधता पर नये सिरे से सवाल उठ सकते हैं। बहरहाल, निचली अदालत के फैसले ने केजरीवाल, सिसोदिया तथा आम आदमी पार्टी में नई ऊर्जा का संचार तो कर ही दिया है। निश्चित रूप से दिल्ली में सरकार बनाने वाली भाजपा के लिये यह स्थिति असहज करने वाली है।

बच्चों के लिए सुरक्षित हो एआई का उपयोग

मधुरेन्द्र सिन्हा

बच्चों और किशोरों में एआई का इस्तेमाल तेजी से बढ़ा है लेकिन इसके अपने जोखिम भी हैं। हालांकि यह उन्हें ज्ञान-विज्ञान सभी कुछ दे सकता है। ऐसे में नियंत्रित उपयोग बेहतर है। एआई डिजाइनिंग, टूल्स के इस्तेमाल और संचालन में सुरक्षा सुनिश्चित होनी चाहिये।

इस सदी में हमने जिस तकनीकी उत्पाद का अभूतपूर्व विकास देखा वह है मोबाइल फोन। भारत आज दुनिया का सबसे बड़ा मोबाइल फोन उत्पादक ही नहीं बल्कि सबसे ज्यादा लोगों के पास इसके होने का गौरव रखता है। भारत में सस्ते स्मार्टफोन के आगमन और दुनिया की तीसरी सबसे सस्ती इंटरनेट सेवा होने के कारण घर-घर में कई-कई मोबाइल फोन दिखते हैं। लेकिन यहीं पर समस्या है और वह यह है कि नन्हे बच्चे जो कल तक खिलौनों से खेलते थे, आज मोबाइल फोन से चिपके हैं। मां-बाप बच्चों से पीछा छुड़ाने के लिए उन्हें स्मार्टफोन पकड़ा देते हैं।

लाखों बच्चे तो ऐसे हैं जो फोन हाथ में लिये बिना खाना नहीं खाते या फिर हंसते-गाते नहीं। वे वर्चुअल वर्ल्ड से इतना जुड़ गये हैं कि उसके अलावा कुछ सोच नहीं पा रहे। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई की धमाकेदार एंट्री के बाद हालात और बदल गये। यह एक आधुनिक और तत्काल रिजल्ट देने वाली तकनीक है जिसके पास अपार संभावनाएं हैं। यह काफी कुछ कर सकता है, पलक झपकते ही आपके प्रश्नों का जवाब दे सकता है, लेख लिख सकता है व ड्राइंग भी बना सकता है। यानी यह सब कुछ कर सकता है जो एक बच्चा चाहेगा। और यहीं गंभीर समस्या आ सकती है। उस बच्चे को कैसे यह समझ में आयेगा कि क्या सही है और क्या गलत?

इंटरनेट ने बच्चों को उम्र से पहले परिपक्व बनाना शुरू कर दिया है। अब एआई की बारी है जो उन्हें वहां पहुंचा सकती है जिसके बारे में हमने सोचा तक नहीं। हाल में आयोजित एआई शिखर सम्मेलन के दौरान फिक्की-यूनिसेफ की संयुक्त कार्यशाला में भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार प्रो. अजय सूद ने कहा कि भारत में डिजिटल पैठ तेजी से बढ़ रही है और बच्चे एआई संचालित प्लेटफॉर्म्स की ओर खिंचे जा रहे हैं। अब जरूरी है कि एक समग्र और सशक्तीकरण करने योग्य फ्रेमवर्क तैयार किया जाये ताकि बच्चों का समुचित विकास हो। एआई अब सीखने के पैटर्न को एक आकार दे रहा है। हमें देखना होगा कि बच्चे क्या सूचना पाना चाहते हैं और एआई इस्तेमाल करने के बाद उनका व्यवहार कैसा रहता है। इस पर सभी भागीदारों यानी अभिभावकों, स्कूलों, शिक्षकों वगैरह को ध्यान देना होगा। यह भी देखना होगा कि जो बच्चे एआई की मदद से पढ़ाई कर रहे हैं या करेंगे उनका दीर्घकालीन विकास कैसा होता है। बच्चों के विकास पर समय के साथ एआई का क्या प्रभाव पड़ता है उसका अध्ययन करना होगा। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को दोधारी तलवार यूं ही नहीं कहा जा रहा। अगर यह बच्चों के विकास में बहुत बड़ा सहयोगी बनता है तो साथ ही उन्हें नुकसान भी पहुंचा सकता है। इसलिए जरूरी है कि इसके जोखिमों को समझा जाये और उसकी धार कुंद की जाये। यह किस तरह के अवसर प्रदान करता है उन्हें भी देखना होगा। यह भी कि बच्चों की एआई तक पहुंच कितनी हो। यह भी जान लेना जरूरी है कि एआई पर अत्यधिक निर्भरता बच्चों के स्वतंत्र रूप से सोचने की ताकत और सरल बुद्धिमत्ता को कमजोर न कर दे।

देश में इसके लिए कई तरह की पहल की हैं ताकि एआई पर लगाम लगाई जा सके। लेकिन केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी सचिव एस कृष्णा का मानना है कि इसी को देखते हुए एआई इंपैक्ट समिट आयोजित किया गया था। इसका थीम यही तो है कि मानव जाति, पृथ्वी और विकास के लिए एआई का लाभ उठाया जा सके। अगली पीढ़ी के पास व्यापक आधार वाली टेक्नोलॉजी हो ताकि विकास की शृंखला बन सके। उन्होंने यह भी कहा कि एआई को भय की दृष्टि से देखने की जरूरत नहीं बल्कि यह सोचकर इसे देखना-परखना चाहिए कि यह बच्चों के भविष्य में बदलाव ला सके। लेकिन यह भी कहा कि शासन द्वारा ऐसा मेकेनिज्म तैयार करना चाहिए जिससे बच्चों के भविष्य में बदलाव हो सके। जिससे उन्हें कई तरह के अवसर मिलते रहें ताकि उनका और विश्व का भविष्य संवरे।

एआई अब चूंकि शिक्षा, स्वास्थ्य के अलावा खेलकूद में भी तेजी से आ रहा है और बच्चों की दुनिया बदल रहा है। बच्चों की परफॉर्मेंस भी वही सेट करने लगा है। भारत के एडटेक इंडस्ट्री के लिए यह एक वरदान साबित हो रहा है और आधुनिकतम शिक्षा प्रदान कर रहा है। एआई दुनिया भर के बच्चों को जोड़ रहा है। यहां पर कई सवाल भी खड़े हो रहे हैं क्योंकि हर देश दूसरे से अलग है और उसकी परंपराएं-संस्कार अलग हैं। ऐसे में बच्चों को सही मार्गदर्शन की जरूरत है। वे गलत राह न जायें, इसकी भी व्यवस्था करनी होगी। दुनिया के 184 देशों के 54,000 बच्चों और किशोरों की एक सर्वे रिपोर्ट में कहा गया है कि एआई डिजाइनिंग, उनके इस्तेमाल और संचालन में बच्चों को केन्द्र में रखना चाहिए। ऐसा करना इसलिए भी जरूरी है कि इससे तेजी से विकसित हो रहे एआई टूल्स को नियंत्रित किया जा सके जो युवा पीढ़ी खासकर बच्चों के लिए हानिकारक है। बच्चों और किशोरों की इस मामले में उपेक्षा एक सुरक्षित प्रणाली और व्यवस्था तैयार करने में बाधा पहुंचायेगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि सरकारों को एआई को मॉनिटर करने वाले संगठनों या विभागों को मजबूत करना चाहिए चाहे वे प्राइवेट सेक्टर में क्यों न हो। इनके सदस्यों को बच्चों के अधिकारों, शिक्षा, डेटा सुरक्षा वगैरह में सिद्धहस्त होना चाहिए ताकि वे आसानी से अपनी भूमिका निभा सकें।

कुल मिलाकर बच्चों और किशोरों के सामने एआई एक सच्चाई है जो उन्हें ज्ञान-विज्ञान सभी कुछ दे तो सकता है लेकिन उसके अपने खतरे हैं।

विश्वविद्यालयों की ब्रांडिंग के युग में मौलिकता का प्रश्न

अवीजीत पाठक

बाजार चालित नव उदारवादी व्यवस्था शिक्षण क्षेत्र पर कब्ज़ा कर लेती है, तो यूनिवर्सिटीज अपनी 'ब्रांड' वैल्यू बेचने लगती हैं। यूं भी औपनिवेशिक काल की सोच के चलते मूल रिसर्च करने के बजाय नकल की प्रवृत्ति बढ़ी। एआई इंपेक्ट समिट में गलगोटिया विवि की प्रोफेसर ने जो किया, उससे यह स्पष्ट होता है कि किसी नकल करने वाले देश के लिए मौलिक बनना आसान नहीं।

यकीन मानिए, मुझे हैरानी नहीं हुई जब मुझे पता चला कि गलगोटिया यूनिवर्सिटी के एक प्रोफेसर ने हाल ही में देश की राजधानी में हुई भारत एआई इंपेक्ट समिट में विवाद खड़ा कर दिया है। जी हां, प्रोफेसर नेहा सिंह को अपनी यूनिवर्सिटी की 'उपलब्धि' दिखाने के लिए झूठा दावा करने में ज़रा भी झिझक महसूस नहीं हुई। हां, हम सबने देखा कि किस प्रकार उन्होंने सरकारी टेलीविजन चैनल डीडी न्यूज़ को विवरण दिया—और वह भी उस किस्म की 'चतुराई' के साथ जो हम कॉर्पोरेट कंपनियों के ज़हीन सेल्समैन में देखते हैं—कि 'ओरियन' नाम का रोबोटिक श्वान यूनिवर्सिटी के सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस में विकसित किया गया है, जबकि कड़वा सच यह है कि इस रोबोट को चीनी रोबोटिक्स कंपनी, 'यूनिट्री' ने ईजाद किया है, और यह भारत में भी ऑनलाइन बेचा जाता है।

इसमें अचरज नहीं है क्योंकि हमारी पीढ़ी ने यूनिवर्सिटी के जिस आदर्श को संजोया था, वह भरभरा कर टूट चुका है। हमने सोचा था कि किसी यूनिवर्सिटी की पहचान उसकी व्यावहारिक सहभागिता, अर्थपूर्ण अनुसंधान, आलोचनात्मक विचार, नैतिक संवेदनशीलता और सबसे ऊपर, शिक्षण की गरिमा से जानी जाएगी। एक यूनिवर्सिटी, जैसा कि हम मानते हैं, वह गुणवत्ता में किसी व्यापारिक प्रतिष्ठान, शॉपिंग मॉल या विज्ञापन एजेंसी से अलग जगह होती है। लेकिन फिर, हम एक बिल्कुल अलग समय में जी रहे हैं। जैसे-जैसे बाजार चालित नव उदारवादी मशीनी तार्किकता शिक्षण क्षेत्र पर कब्ज़ा कर लेती है, शिक्षा पूरी तरह से व्यापार बन जाती है, आलोचनात्मक विमर्श बलि चढ़ जाता है, छात्र उपभोक्ता बनकर रह जाता है और अध्यापक सेवा प्रदाता की भूमिका निभाने लगता है। कोई हैरानी नहीं कि एक यूनिवर्सिटी भी अपनी 'ब्रांड' वैल्यू बेचने लगी हैं -जैसे कोई कंपनी डिटर्जेंट पाउडर बेचती हो और बेचे जाने वाले अपने उत्पाद के फायदों के बारे में हर तरह के झूठे या बढ़ा-चढ़ाकर दावे करे। असल में, रोबोटिक्स, डेटा साइंस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस- ये फैंसी 'उत्पाद' हैं जिन्हें नवउदारवादी यूनिवर्सिटी रणनीतिक विज्ञापनों और बढ़ा-चढ़ाकर किए गए दावों के ज़रिए बेचना चाहती है। इसलिए अगर कोई यूनिवर्सिटी एआई के क्षेत्र में अपनी उपलब्धि के बारे में झूठे दावे करती हो तो आपको और मुझे हैरानी क्यों होनी चाहिये? एक प्रकार से, प्रोफेसर नेहा सिंह को दोष नहीं दिया जाये क्योंकि आखिरकार वे खुद एक ऐसी संस्कृति का उत्पाद हैं जो यूनिवर्सिटी को लाभ कमाने वाला एक धंधा, एक प्रोफेसर को जन संपर्क एजेंट और छात्र अथवा अभिभावक को एक संभावित ग्राहक की तरह लेता है।

भले ही गलगोटिया यूनिवर्सिटी फिलहाल खबरों में है, लेकिन सच तो यह है कि एक यूनिवर्सिटी को 'ब्रांड' के तौर पर बेचने का यह काम अब आम बात है। और शिक्षा के इस किस्म के सरेआम व्यवसायीकरण को 'रैंकिंग' की राजनीति और आगे बढ़ा-चढ़ाकर पेश करती है। सड़क किनारे लगे बिलबोर्ड या चमकदार पत्रिकाओं एवं अख़बारों में दिए भव्य विज्ञापन देखिए, तो आप आसानी से गौर कर सकते हैं कि कैसे इन सभी संस्थानों को 'टॉप रैंकिंग यूनिवर्सिटी' के तौर पर पेश किया जा रहा है।

और ऐसी रैंकिंग एजेंसियों की कोई कमी नहीं है जिनकी सेवाएं ये यूनिवर्सिटियां निरंतर लेती रहती हैं और आमंत्रित करती हैं। और इन यूनिवर्सिटी की यत्नपूर्वक गढ़ी गई छवि अक्सर इनकी उपलब्धियों और सबसे बढ़कर, इनके 'प्रोडक्ट' (छात्रों) को, गूगल, इंफ़ोसिस, विप्रो, अमेज़न वगैरह से मिलने वाले 'पैकैज' के बारे में हर तरह के बढ़ा-चढ़ाकर किए गए दावों से भरी होती हैं।

समझ नहीं आता कि हंसा जाये या रोया जाये, जब पाते हैं कि कोई यूनिवर्सिटी इस किस्म के शानदार विज्ञापन से खुद को 'दुकान' के तौर पर बेच रही होती है, मसलन, 'यूनिवर्सिटी ने वर्ल्ड क्यूएस यूनिवर्सिटी रैंकिंग्स: एशिया 2026 में हासिल किया एक और मील का पत्थर... दक्षिणी एशिया में 116वें और पूरे एशिया में 454वें पायदान पर रखा गया है. डिग्री लेने वाले 98 प्रतिशत विद्यार्थियों ने टॉप की कंपनियों में नौकरी पाई; 5.4 लाख रूप औसत सालाना पैकेज; और उच्चतम वेतन 1.5 करोड़ रुपये वार्षिक '।

इस किस्म के माहौल में, कोई प्रोफेसर सच की तलाश करने वाला नहीं हो सकता; उसे भी उस यूनिवर्सिटी की 'ब्रांड वैल्यू' के बारे में झूठे या बढ़ा-चढ़ाकर दावे करने पड़ते हैं जिसने उसे नौकरी पर रखा है। प्रोफेसर नेहा सिंह की मानसिक उलझन समझी जा सकती है। इसके अलावा, ज़िंदा रहने के लिए, इन तमाम शिक्षा दुकानों को लगातार सत्तारूढ़ सरकार को संतुष्ट करना पड़ता है। यह मत भूलिए कि गलगोटिया यूनिवर्सिटी को, जैसा कि खबरें बताती हैं, एआई प्रदर्शनी हॉल में चार आईआईटी को कुल मिलाकर मिले बूथ से भी बड़ा बूथ मिला था। और विशेष तौर पर जब हमें बताया जाता है कि भारत को 'विश्वगुरु' होने के नाते आर्टीफ़िशियल इंटेलीजेंस में पीछे नहीं रहना चाहिए- यह तकनीकी-आदर्शवाद का नवीनतम ब्रांड है जिसे कॉर्पोरेट अरबपति बेचने के लिए बेकरार हैं- तो शायद गलगोटिया यूनिवर्सिटी ने सत्तारूढ़ सरकार को खुश करने के लिए सारी हदें पार कर दीं और, विडंबना यह कि सरकार को शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा। वास्तव में, यह देश में राजनीति और शिक्षा की हालत पर एक दु:खद टिप्पणी है। इसी प्रकार, मान लीजिए, एक चीनी रोबोटिक श्वान को भारतीय आविष्कार के तौर पर दिखाने की यह अजीब इच्छा यह भी दर्शाती है कि हम भारत को एक नकलची देश में बदलने में कभी शर्म महसूस नहीं करते। शायद, हम अभी तक अपनी चेतना को औपनिवेशिक काल की मानसिकता से उबार पाने में सफल नहीं हो पाए। आज़ादी के बाद के भारत में भी, 'विकसित' पश्चिम हमारे लिए सकरात्मक मानक बिंदु के तौर पर था। मसलन, अपनी विशिष्ट शिक्षा संस्कृति को बेहतर बनाने और अपने संस्थान उनके जैसे बनाने, जो आत्मविश्वास से भरपूर हों और स्थानीय ज़रूरतों एवं चुनौतियों के मुताबिक काम करें, इसकी बजाय हम ऑक्सफ़ोर्ड, कैम्ब्रिज, हार्वर्ड या प्रिंसटन को अपने लिए बतौर रोल मॉडल देखते रहते हैं।

वास्तव में, गलगोटिया यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर ने जो किया, उससे पता चलता है कि किसी नकलची देश के लिए मूल खोजकर्ता बनना आसान नहीं है।

झांसी की होली पर कहर बरपाया था डलहौजी ने

क्रिशन प्रताप सिंह

स्वतंत्रता सेनानी होली के महीनों पूर्व ही गाजे-बाजे के साथ देशवासियों में स्वतंत्रता की चेतना जगाने वाले फगुए गाना और गुलाल व फूलों से होली खेलना शुरू कर देते थे। धुलेंडी के दिन महिलाएं और बच्चे खादी के वस्त्र पहनकर सुराजी गाने गाते थे।

वर्ष 1920 में महात्मा गांधी ने असहयोग आंदोलन का आह्वान किया तो विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार और स्वदेशी के इस्तेमाल की उनकी अपील ने ऐसा रंग दिखाया था कि देशवासियों ने विदेशी कपड़ों तक की होली जला डाली थी। लेकिन उस दौर की होली का यह पूरा परिचय नहीं है। तब होली आती तो आज़ादी के दीवानों और उनकी राह में कांटे बिछाते रहने वाले अंग्रेजों के बीच नए सिरे से ठन जाती थी। कारण यह था कि आज़ादी के दीवाने प्राय: होली पर देशवासियों को राग-द्वेष भुलाकर एक करने, जगाने और लड़ने को प्रेरित करने की नई कवायदें शुरू करते थे, जो अंग्रेजों को कतई गवारा नहीं होती थीं।

1853 में झांसी की होली के साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ था, 21 नवम्बर, 1853 को उसके राजा गंगाधर राव नेवालकर के नि:संतान निधन के बाद अंग्रेज गवर्नर जनरल लार्ड डलहौजी ने झांसी पर 'डॉक्ट्रिन ऑफ लैप्स' का कहर बरपाने के लिए होली का ही दिन चुना था। इतिहासकारों के अनुसार, गंगाधर राव अपने रहते अपने दत्तक पुत्र दामोदर राव को अपना उत्तराधिकारी घोषित कर गए थे। लेकिन उनके निधन के बाद डलहौजी ने इसे स्वीकार करने से इनकार कर दिया था।

प्रसंगवश, डॉक्ट्रिन ऑफलैप्स ईस्ट इंडिया कंपनी के अधीनस्थ भारतीय राज्यों व रियासतों को उसके साम्राज्य में मिलाने की ऐसी 'हड़प नीति' थी, जिसके तहत कोई राजा नि:संतान रहते दुनिया को अलविदा कह जाता तो राज्य को कंपनी के साम्राज्य में मिला लिया जाता था।

झांसी को हड़पने के लिए डलहौजी ने इसी नीति के तहत 7 मार्च, 1854 को एक फरमान निकाला और इरादतन होली के दिन ही झांसी भेजा। फरमान के साथ एक इश्तिहार भी था, जिसमें लिखा था कि अब कंपनी की ओर से झांसी का शासन मेजर एलिस चलाएंगे।

इस रंग में भंग के बाद झांसीवासी भला होली कैसे मनाते? रानी लक्ष्मीबाई ने भी होली के सारे समारोह रद्द कर दिए और महल में जाकर भविष्य पर छाए काले बादलों से निपटने की योजनाएं बनाने में व्यस्त हो गईं। तब से डेढ़ से ज्यादा शताब्दी बीत गईं, लेकिन झांसी के लोग उस फरमान के आने, रानी द्वारा उसे अंगूठा दिखाने और इससे क्रुद्ध अंग्रेजों के विकट हमले के दौरान झांसी को बचाते हुए वीरगति प्राप्त करने की याद में होली के दिन होली नहीं मनाते।

काश! लाहौरवासी भी झांसी वालों की तरह उन छह बब्बर अकाली आंदोलनकारियों की शहादत को याद रखते और उनका शोक मनाते, 1926 में जिन्हें अंग्रेजों ने लाहौर सेंट्रल जेल में होली के दिन ही फांसी दे दी थी। उस साल होली 27 फरवरी को थी और उस दिन फांसी पर लटकाए गए इन आंदोलनकारियों के नाम थे—किशन सिंह गड़गज्ज, संता सिंह, दिलीप सिंह, नंद सिंह, करम सिंह और धरम सिंह।

तब भगत सिंह 'क्रांतिकारियों का शहर' कहलाने वाले कानपुर में रहकर आज़ादी की लड़ाई में ऐतिहासिक भूमिका निभाने वाले गणेश शंकर विद्यार्थी के लोकप्रिय पत्र 'प्रताप' में काम कर रहे थे। उन्होंने 'एक पंजाबी युवक' के नाम से 15 मार्च, 1926 के 'प्रताप' में लेख लिखकर इस बात पर रोष और क्षोभ जताया था कि इस छह वीरों के बलिदानों को लेकर लाहौर शोक में नहीं डूबा और होली मनाता रहा।

इसी 'प्रताप' के शहर कानपुर में 1942 में होली के दिन हटिया बाजार के रज्जन बाबू पार्क में जमा क्रांतिकारी तिरंगे झंडे को खूब ऊंचा फहराकर होली खेल रहे थे, तो अंग्रेजों के दर्जन भर घुड़सवार सिपाही सरपट घोड़े दौड़ाते आए और तिरंगा उतारने लगे। दोनों पक्षों में भीषण संघर्ष छिड़ गया। अंतत: सिपाही भारी पड़े और अंग्रेज अफ़सरों ने और पुलिस बल बुलाकर 45 क्रांतिकारियों को क्रूरतापूर्वक गिरफ्तार कर लिया।

जैसे ही इन गिरफ्तारियों की खबर फैली, समूचा कानपुर क्रांतिकारियों के समर्थन में सड़कों पर उतर आया। छह दिन बीत गए, फिर भी जनाक्रोश नहीं थमा तो अफसरों को विवश होकर क्रांतिकारियों की रिहाई का आदेश देना पड़ा। सातवें दिन क्रांतिकारी जेल से छूटे तो उन्हें एक जुलूस के साथ कानपुरवासी उन्हें हटिया के उसी रज्जन बाबू पार्क में ले आए, जहां तिरंगा फहराने के जुर्म में सिपाहियों ने उन्हें पकड़ा था। फिर वहां जश्नपूर्वक होली मनाई। तभी से कानपुर में सात दिन होली मनाई जाती है।

गौरतलब है कि स्वतंत्रता सेनानी होली को सामाजिक सुधार और शिक्षा का त्योहार बनाने की अपनी कोशिशों को लेकर अंग्रेजों से टकराते रहे थे। स्वतंत्रता सेनानी होली के महीनों पूर्व ही गाजे-बाजे के साथ देशवासियों में स्वतंत्रता की चेतना जगाने वाले फगुए गाना और गुलाल व फूलों से होली खेलना शुरू कर देते थे।

शिक्षा, अधोसंरचना और संस्कृति के संगम से विकसित प्रदेश के साथ विकसित बस्तर

केशव सल्होत्रा

प्रदेश के बजट पर पूर्वी मंडल उपाध्यक्ष राकेश तिवारी ने इसे बस्तर संभाग के कायाकल्प करने वाला बताया है । उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में वित्त मंत्री ओपी चौधरी द्वारा प्रस्तुत इस बजट में बेहद संवेदनशीलता के साथ बस्तर को विकास की मुख्यधारा से जोडने के लिए शिक्षा, अधोसंरचना और संस्कृति के संगम पर विशेष बल दिया गया है।

उन्होंने कहा कि संवेदनशील क्षेत्रों में शिक्षा के माध्यम से जागरूकता लाने के उद्देश्य से सरकार ने नारायणपुर के अबूझमाड़ और सुकमा के जगरगुंडा जैसे क्षेत्रों में 100 करोड़ की लागत से 'एजुकेशन सिटी' स्थापित करने की ऐतिहासिक पहल की है। वहीं बस्तर जिल में कृषि के क्षेत्र में उल्लेखनीय पहल करते हुए पहली बार जगदलपुर के महादेव घाट में बैराज निर्माण के लिए 100 करोड़ तो इन्द्रावती नदी पर मटनार एवं देउरगांव बैराज निर्माण के लिए 2,024 करोड़ की भारी-भरकम राशि स्वीकृत की गई है, जो सिंचाई के साथ-साथ जल प्रबंधन की दिशा में एक क्रांतिकारी पहल है।

उन्होंने बस्तर में बृहद रोड कनेक्टिविटी के लिए जिसमें नारायणपुर के जाटलूरइतामपारा-भैरमगढ़ 28 करोड़,नारायणपुर के कुतुल से ओरछा 20 करोड़,बीजापुर के इतुलवाड़ा से तुमनार 20 करोड़,बीजापुर के चेरपाल से गुटुमपाली 20 करोड़,दंतेवाड़ा के मुचनार से बारसूर 9 करोड़, कांकेर के ज्ञानी ढाबा चौक से दुधावा-बिरगुड़ी 11 करोड़ और सुकमा के कुन्ना से मिचवार पुल 7 करोड़ के निर्माण की स्वीकृत और प्रावधान पर राकेश तिवारी ने कहा कि यह बजट सरकार और आम जनता के विकसित छत्तीसगढ़ और विकसित बस्तर के सपने को पूरा करने वाला बजट है ।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

शनिवार 28 फरवरी, 2026

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

खाटू श्याम की भव्य निशान यात्रा में उमड़ा भक्तों का सैलाब

दुर्ग। शुक्रवार की सुबह आस्था और भक्ति का सागर तब उमड़ पड़ा जब खाटू श्याम बाबा की भव्य निशान एवं शोभायात्रा धूमधाम से निकाली गई। शोभायात्रा का नगरवासियों ने दिल खोलकर स्वागत किया, वहीं अलका बाघमार ने जनप्रतिनिधियों के साथ यात्रा में शामिल होकर श्रद्धा भाव से पूजा-अर्चना की। शोभायात्रा गंजपारा सख्ती चौरा से प्रारंभ होकर इंदिरा मार्केट, शांति नगर, दुर्गा चौक से होती हुई कादम्बरी नगर स्थित खाटू श्याम मंदिर तक पहुंची। पूरे मार्ग में गाजे-बाजे, ढोल-नगाड़ों और भजन-कीर्तन की धुनों के बीच भक्तों का उत्साह देखते ही बन रहा था। शोभायात्रा में शहरभर से आए श्रद्धालु पगड़ी, पीला ध्वज और निशान उठाए शामिल हुए।

दुर्ग निगम के 6 कर्मचारियों को सौंपे पदोन्नति आदेश

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग में आज महापौर अलका बाघमार द्वारा सामान्य प्रशासन प्रभारी मनीष साहू, एमआईसी सदस्य देव नारायण चंद्रकार, शेखर चंद्रकार, शशि साहू, हर्षिका संभव जैन, खालिक रिजवी तथा उपायुक्त मोहेंद्र साहू की उपस्थिति में निगम के 6 कर्मचारियों को पदोन्नति पत्र प्रदान किए गए। सहायक राजस्व निरीक्षक से राजस्व उप निरीक्षक के पद पर ईश्वर वर्मा और थान सिंह यादव, राजस्व उप निरीक्षक से राजस्व निरीक्षक के पद पर निशांत यादव को पदोन्नत किया गया। वहीं महेंद्र कुमार धर्मकार को भृत्य पद से सहायक ग्रेड-3, भृत्य से सहायक राजस्व निरीक्षक के पद पर रमेश कुमार तथा गणेशराम सिन्हा को पदोन्नति प्रदान की गई।

होली पर इन गांवों में एक मार्च को फाग गायन प्रतियोगिता

उपरवाह। ग्राम कांकेतरा के मित्र मंडल गणेश, सरस्वती व फाग समिति व समस्त ग्रामवासियों द्वारा 1 मार्च को एक दिवसीय फाग गायन व झांकी प्रतियोगिता का आयोजन रखा गया है। प्रतियोगिता में झांकी पक्ष के लिए पुरस्कार क्रमश: 3001 रुपए, 2001 रुपए, 1001 रुपए नकद रखा गया है। इसी प्रकार रचना पक्ष के लिए क्रमश: 3001 रुपए, 2001 रुपए, 1501 रुपए व 1001 रुपए नकद राशि दिया जाएगा। समिति के संरक्षक छबिलाल साहू, अध्यक्ष किशोर साहू, उपाध्यक्ष ईश्वर ने बताया कि प्रतियोगिता संबंधी सभी तैयारी पूरी कर ली गई है। इसी तिथि को क्षेत्र के ग्राम रेंगाकठेरा, सुकुल, खुर्सीपार, मकरनपुर, बुंदेली, खैरा, तिलई, खपरी, हरडुवा, घुमका, महरम खुर्द, देवादा, दर्रा में भी एक दिवसीय फाग गायन व झांकी स्पर्धा का आयोजन रखा गया है।

राष्ट्रीय सेवा योजना कैम्प ने स्वयंसेवकों से की मरणोपरांत देहदान की वसीयत करने की अपील

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। हेमचंद यादव विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन 24 फरवरी 2026 को विश्वविद्यालय परिसर, पोटिया कला में गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। शिविर का आयोजन दिनांक 18 फरवरी से 24 फरवरी 2026 के मध्य किया गया। इस संयुक्त विशेष शिविर में शासकीय नवीन महाविद्यालय रिसाली, शासकीय आदर्श महाविद्यालय धनोरा, डॉ. खूबचंद बघेल स्नातकोत्तर महाविद्यालय भिलाई-3 तथा अपोलो कॉलेज अंजोरा के लगभग 200 स्वयंसेवकों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। कार्यक्रम का शुभारंभ स्वामी विवेकानंद एवं मां सरस्वती के तैलचित्र पर पूजन-अर्चन से हुआ। स्वयंसेवकों ने 'लक्ष्यगीत' प्रस्तुत किया तथा 200 स्वयंसेवकों द्वारा सुआ-डंडा नृत्य की सामूहिक प्रस्तुति ने वातावरण को उत्साहपूर्ण बना दिया। सरस्वती वंदना 'हंसा की सवारी दाई ओ' पर सामूहिक नृत्य ने उपस्थित अतिथियों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

महापौर अल्का बाघमार समापन समारोह की मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) संजय तिवारी ने की। कुलसचिव भूपेन्द्र कुलदीप, अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा विभाग अनुपमा अस्थाना, मंडल अध्यक्ष कौशल साहू एवं पार्षद हिरौंदी चंदानिया विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कुलपति प्रो. (डॉ.) संजय तिवारी ने अपने उद्बोधन में कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना उत्कृष्ट अनुशासन के साथ देशहित एवं समाजहित में कार्य करने का सशक्त माध्यम है। कुलसचिव भूपेन्द्र कुलदीप ने युवाओं के व्यक्तित्व विकास के लिए एनएसएस को श्रेष्ठ मंच बताते हुए अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

मुख्य अतिथि महापौर अलका बाघमार ने राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यों की सराहना करते हुए युवाओं को मृत्यु उपरांत देहदान के लिए प्रेरित किया तथा जीवन में सामंजस्य, स्वच्छता, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और नशामुक्ति के महत्व पर प्रकाश डाला।

नशाखोरी के अड्डे पर चला प्रशासन का बुलडोजर, नोटिस को किया था नज़रअंदाज

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। दुर्ग नगर पालिक निगम द्वारा वार्ड क्रमांक 17 स्थित मानस भवन के पास अवैध अतिक्रमण के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई करते हुए सड़क को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। महापौर अलका बाघमार एवं निगम आयुक्त सुमित अग्रवाल के पास लगातार वार्डवासियों द्वारा शिकायतें प्राप्त हो रही थीं कि मानस भवन से लगे क्षेत्र में एक होटल संचालक द्वारा सड़क एवं शासकीय भूमि पर अवैध अतिक्रमण कर व्यवसाय संचालित किया जा रहा है, जिससे आम नागरिकों एवं राहगीरों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था।

महापौर एवं आयुक्त के निर्देश के बाद विभाग द्वारा नोटिस जारी किया गया परन्तु देशमुख होटल संचालक द्वारा नोटिस मिलने के बाद नोटिस का नहीं दिया गया जवाब, जिस पर वार्ड क्रमांक 17 मानस भवन के पास संचालित एक अवैध होटल पर आज बड़ी कार्रवाई करते हुए अतिक्रमण को ध्वस्त किया गया।

स्थानीय पार्षद देव नारायण चंद्रकार को वार्ड नागरिकों से लगातार शिकायत मिल रही थी कि उक्त होटल नशाखोरी का अड्डा बन चुका था। यहां रोजाना असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लगा रहता था तथा आए दिन लड़ाई-झगड़े की घटनाएं सामने आ रही थीं, जिससे क्षेत्र का माहौल बिगड़ रहा था और आम नागरिकों में भय एवं असुरक्षा की स्थिति निर्मित हो रही थी। वार्ड पार्षद की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए महापौर एवं आयुक्त ने मामले का संज्ञान लेकर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए।

निगम प्रशासन द्वारा लोगों की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए निगम प्रशासन ने संबंधित होटल संचालक को विधिवत नोटिस जारी किया गया था। नोटिस के माध्यम से अतिक्रमण हटाने एवं जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए थे, किंतु होटल संचालक द्वारा नोटिस को नजरअंदाज करते हुए निगम कार्यालय में उपस्थित होकर जवाब देना उचित नहीं समझा गया। निर्धारित समयावधि समाप्त होने के पश्चात निगम प्रशासन ने कड़ी कार्रवाई करने का निर्णय लिया। निगम के उप अभियंता विकास दमाहे, उपअभियंता सिद्धार्थ साहू, अतिक्रमण अधिकारी परमेश्वर सहित अतिक्रमण अमले ने मौके पर पहुंचकर पुलिस बल एवं अधिकारियों की उपस्थिति में बुलडोजर की सहायता से अवैध निर्माण को ध्वस्त किया तथा सड़क को पूर्णत: अतिक्रमण मुक्त कराया।

निगम अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि शहर में अवैध अतिक्रमण किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। सड़क एवं सार्वजनिक स्थलों पर कब्जा कर व्यवसाय संचालित करने वालों के विरुद्ध आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

निगम प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे शासकीय भूमि पर अतिक्रमण न करें तथा शहर को व्यवस्थित, सुगम एवं स्वच्छ बनाए रखने में सहयोग प्रदान करें। लगातार मिल रही शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई निगम की प्राथमिकता है और भविष्य में भी ऐसे मामलों में कठोर कदम उठाए जाएंगे।

ईडब्ल्यूएस जमीन पर बनेगा पब्लिक टॉयलेट

रिसाली। रिसाली महापौर शशि सिन्हा ने वार्ड 29 लक्ष्मी नगर स्थित ईडब्ल्यूएस की जमीन को संरक्षित करते हुए सामुदायिक शौचालय की मांग की है। उन्होंने वार्ड के प्रभारी उपअभियंता को शीघ्र प्राक्कलन तैयार कर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए है। भ्रमण के दौरान नागरिकों की मांग रखी है कि वार्ड में सामुदायिक शौचालक के साथ अलग से यूरिनल बनाया जाए। महापौर शशि सिन्हा ने इसे गंभीरता से लेते हुए ईडब्ल्यूएस की जमीन पर शौचालय बनाने प्रस्ताव कर शीघ्र शासन को प्रेषित करने के निर्देश दिए।

नवदृष्टि फाउंडेशन की मध्यस्थता में स्व. नेमीचंद जैन का नेत्रदान संपन्न

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। पद्मनाभपुर निवासी जिला शिक्षण समिति एवं नवदृष्टि फाउंडेशन के सदस्य विनोद जैन के पिता श्री नेमीचंद जैन के निधन के पश्चात उनके नेत्रदान के माध्यम से दो नेत्रहीन व्यक्तियों को नेत्रज्योति प्राप्त होगी। यह जैन परिवार की संवेदनशीलता एवं प्रतिबद्धता का प्रेरणादायी उदाहरण है।

नेमीचंदजी के निधन उपरांत उनकी धर्मपत्नी श्रीमती शारदा देवी, पुत्र विनोद जैन, पुत्रियाँ स्वीटी वैद, श्वेता नाहर, दीपाली छाजेड़, पौत्र रचित जैन एवं पौत्री रुचिका गोलेछा की सहमति से नेत्रदान की प्रक्रिया संपन्न हुई।

श्री शंकराचार्य मेडिकल कॉलेज के डॉ. संदीप बचकर, डॉ. निवेश, डॉ. श्रीया पंजवानी एवं डॉ. अंजलि कश्यप ने श्री जैन के निवास स्थान पहुंचकर कॉर्निया संकलित किए। नवदृष्टि फाउंडेशन की ओर से प्रवीण तिवारी, कुलवंत भाटिया, राजेश पारख, रितेश जैन, प्रभुदयाल उजाला एवं चंद्र प्रकाश गजवानी श्री जैन के पद्मनाभपुर स्थित निवास पर उपस्थित रहकर नेत्रदान की व्यवस्था संभाली।

अंतरराज्यीय चोर गिरोह को धर दबोचा

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। सुपेला इलाके में सूने मकान को निशाना बनाकर लाखों की नगदी उड़ाने वाले अंतर्राज्यीय चोरों को दुर्ग पुलिस ने फिल्मी अंदाज में धर दबोचा। साइबर तकनीक और सीसीटीवी फुटेज के सहारे पुलिस ने नेहरू नगर चौक में घेराबंदी कर दोनों आरोपियों को उस वक्त गिरफ्तार किया, जब वे अपने गृह राज्य उड़ीसा भागने की फिराक में थे। आरोपियों के कब्जे से 2 लाख 14 हजार रुपये नगद बरामद किए गए हैं।

मामला सुपेला थाना क्षेत्र का है। प्रार्थी यमिल वर्मा ने 17 फरवरी को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 15 फरवरी को उसने अपने घर की लोहे की आलमारी में नगद राशि रखी थी।

परिवार की एक महिला सदस्य विवाह कार्यक्रम में शामिल होने भोपाल गई हुई थीं। 17 फरवरी की सुबह जब आलमारी खोली गई तो 500, 200 और 100 रुपये के नोटों की गड्डियां गायब थीं, जबकि सोने के आभूषण सुरक्षित पाए गए। साफ था कि चोरों की नजर सिर्फ नगदी पर थी।

रिपोर्ट पर थाना सुपेला में अपराध क्रमांक 272/2026 दर्ज कर भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत विवेचना शुरू की गई। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली, कॉल डिटेल रिकॉर्ड और साइबर तकनीकी विश्लेषण के जरिए संदिग्धों की पहचान की। जांच की कड़ियां उड़ीसा तक जा पहुंचीं।

27 फरवरी को सूचना मिली कि आरोपी नेहरू नगर चौक में मौजूद हैं और उड़ीसा भागने की तैयारी में हैं। तत्काल पुलिस टीम ने घेराबंदी कर दोनों को दबोच लिया। पूछताछ में आरोपियों ने चोरी करना स्वीकार कर लिया।

पुलिस गेम्स के चौथे दिन तीरंदाजी में आईटीबीपी का दबदबा

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। दुर्ग जिले के भिलाई स्थित प्रथम वाहिनी छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल परिसर में आयोजित चौदहवीं अखिल भारतीय पुलिस तीरंदाजी प्रतियोगिता 2025-26 के चतुर्थ दिवस रोमांच अपने चरम पर पहुंच गया।

रिकर्व, कंपाउंड और इंडियन राउंड की एलिमिनेशन, टीम और मिक्स्ड टीम स्पर्धाओं के फाइनल मुकाबले बेहद प्रतिस्पर्धात्मक माहौल में सम्पन्न हुए। विभिन्न राज्यों और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के पुरुष और महिला खिलाड़ियों ने सटीक निशाने से दर्शकों को रोमांचित कर दिया।

चौथे दिन तक जारी पदक तालिका में आईटीबीपी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 22 पदकों के साथ बढ़त बना ली है। उत्तर प्रदेश और सीआरपीएफ 11-11 पदकों के साथ कड़ी टक्कर दे रहे हैं, जबकि असम राइफल्स 9 और राजस्थान 8 पदकों के साथ प्रतिस्पर्धा में बने हुए हैं।

सीआईएसएफ और बीएसएफ के खाते में 7-7 पदक आए हैं, वहीं एसएसबी, महाराष्ट्र, पंजाब और असम ने भी उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। ग्रुप इवेंट में भी आईटीबीपी और उत्तर प्रदेश ने 3-3 पदक जीतकर अपनी मजबूती साबित की, जबकि असम राइफल्स, सीआरपीएफ, बीएसएफ और एसएसबी ने 2-2 पदक अर्जित किए।

प्रतियोगिता का संचालन भारतीय तीरंदाजी संघ के तकनीकी दिशा-निर्देशों के अनुरूप किया जा रहा है। सुरक्षा, चिकित्सा सहायता और यातायात व्यवस्था भी सुदृढ़ रही। कुछ महिला पुलिस अधिकारी अपने परिवार और बच्चों के साथ मौजूद रहीं।

पदक वितरण समारोह में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल विवेकानंद सिन्हा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके साथ दुर्ग रेंज के आईजी अभिषेक शांडिल्य, सीएसएफ के आईजी बी.एस. ध्रुव, सहित अन्य उपस्थित थे।

15 मार्च तक सभी समितियों को धान उठाव पूर्ण करने के निर्देश

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह की अध्यक्षता में जिला कलेक्टोरेट सभाकक्ष में राइस मिलर्स की बैठक आयोजित की गई। बैठक में धान उठाव की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर ने कहा कि डीओ कटने के बाद भी धान का उठाव अपेक्षित गति से नहीं हो रहा है, जिससे समितियों में धान का भंडारण बढ़ रहा है। उन्होंने 28 फरवरी तक शत-प्रतिशत डीओ कटवाकर उठाव सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही 15 मार्च तक सभी समितियों से धान उठाव पूर्ण करने की समय-सीमा तय की।

कलेक्टर सिंह ने कहा कि उठाव के समय जिन स्थानों के लिए टैगिंग की जा चुकी है, उसमें किसी प्रकार का परिवर्तन न किया जाए। इस संबंध में नागरिक आपूर्ति विभाग के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। बैठक में एफआरके (फोर्टिफाइड राइस कर्नेल) के वितरण एवं उठाव की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि मिलिंग के साथ-साथ एफआरके की निर्धारित मात्रा का भी समय पर उठाव सुनिश्चित किया जाए, ताकि सार्वजनिक वितरण प्रणाली में किसी प्रकार की बाधा न आए। मिलर्स ने डीओ कटवाकर उठाव में तेजी लाने पर सहमति जताई और प्रशासन को पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

शहीद कप क्रिकेट का उद्घाटन, रोमांचक रहा पहला मैच

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। शहीद कप क्रिकेट प्रतियोगिता का छठवाँ दिवस अत्यंत उत्साह, अनुशासन और देशभक्ति के वातावरण में संपन्न हुआ। यह आयोजन एचएमजीएम जन सेवा समिति के अध्यक्ष लोकेश पांडे की अनुशंसा एवं विनय टंडन के नेतृत्व में संपन्न हुआ। शुरुआत राष्ट्रगान के सामूहिक गायन एवं अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित कर की गई।

खिलाड़ियों, अतिथियों एवं दर्शकों ने दो मिनट का मौन रखकर देश के वीर सपूतों को नमन किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश महामंत्री उपकार चंद्राकर उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रवीण सोनी, समाजसेवी दिनेश यादव एवं जितेंद्र ठाकुर की गरिमामयी उपस्थिति रही।

मुख्य अतिथि उपकार चंद्राकर ने अपने संबोधन में कहा कि शहीदों के त्याग और बलिदान को स्मरण रखना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि खेल न केवल शारीरिक सशक्तिकरण का माध्यम है, बल्कि यह युवाओं में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना का भी विकास करता है। ऐसे आयोजन युवाओं को सकारात्मक दिशा देने के साथ-साथ राष्ट्रभक्ति की भावना को भी सुदृढ़ करते हैं। शहीद कप जैसे आयोजन समाज में एकता और समरसता का संदेश देते हैं। समाजसेवी दिनेश यादव एवं जितेंद्र ठाकुर ने भी आयोजन समिति के प्रयासों की सराहना करते हुए इसे युवाओं के लिए प्रेरणादायी पहल बताया। अतिथियों द्वारा टॉस करवाकर मैच का विधिवत शुभारंभ किया गया। मैदान पर दोनों टीमों के बीच रोमांचक मुकाबला खेला गया। खिलाड़ियों ने पूरे उत्साह, खेल भावना और अनुशासन के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। मैच के दौरान दर्शकों में भी विशेष उत्साह देखा गया, जिन्होंने खिलाड़ियों का निरंतर उत्साहवर्धन किया। शहीद कप के आगामी मैचों को लेकर भी खिलाड़ियों एवं खेल प्रेमियों में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। आयोजन समिति ने अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करने एवं खिलाड़ियों के उत्साहवर्धन की अपील की है।

इस अवसर पर समिति रिंकू तिवारी, समीर, रवि, तरुण, आयुष, हितेश, शिवांत, जतिन, शेषु, इनायत, हिमांशु, पलक, बल्ला सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे। अतिथियों ने दोनों टीमों को स्मृति चिन्ह भेंट कर उत्साहवर्धन किया।

हत्या के मुख्य आरोपी के अवैध कब्जे वाले भवन पर चलाया गया बुलडोजर

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। दुर्ग की मोहन नगर पुलिस ने 16 फरवरी को एक युवक की हत्या के मामले में शामिल मुख्य आरोपी के भवन पर बुलडोजर कार्यवाही की है। आरोपी का उक्त भवन शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा कर बनाया गया था।

बता दें कि दुर्ग के मोहन नगर थाना क्षेत्र में 16 फरवरी की रात साढ़े 9 बजे मोहन नगर क्षेत्र में महाशिवरात्री पर बाबा की बारात निकाली गई थी। आयोजन में अक्षय कुमार गोड़ उर्फ नानू भी पहुंचा था। इसी दौरान कुछ युवक अक्षय से पुरानी बात को लेकर विवाद करने लगे। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ा कि आरोपियों ने चाकू से अक्षय पर हमला कर दिया। हमले में खून से लथपथ हालत में क्षय जमीन पर गिर पड़ा। घटना के बाद सभी आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस को जैसे ही इसकी सूचना मिली तो मौके पर पहुंचे और गंभीर रूप से घायल को अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों ने उपचार के दौरान मृत घोषित कर दिया।

मामले में दुर्ग पुलिस ने कार्रवाई करते हुये मुख्य आरोपी मनीष देशमुख सहित सात को गिरफ्तार किया था। पुलिस ने आरोपियों को कोर्ट में पेश कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया था। दुर्ग पुलिस ने जांच में पाया कि आरोपी मनीष देशमुख ने शक्ति नगर चौक स्थित मानस भवन के पास शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा कर होटल बनाया था। निगम ने मामले में कार्रवाई करते हुये आरोपी के होटल को हटाकर अतिक्रमण मुक्त करा दिया है।

Since 1972
CROWN-TV
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

खास खबर

मानव सेवा भक्ति : बीपी-शुगर टेस्टिंग मशीन से 4100 भाई-बहनें लाभान्वित

रायपुर। जैन संवेदना ट्रस्ट द्वारा मानव सेवा व साधर्मिक भक्ति पखवाड़ा मनाया गया है। भगवान महावीर स्वामी के जियो और जीने दो, दया, करुणा, अहिंसा के मार्ग पर चलते हुए सर्वधर्म व साधर्मिक भाई बहनों को बी पी शुगर टैस्टिंग इक्यूपमेंट नि:शुल्क वितरित किए गए। जैन संवेदना ट्रस्ट के महेन्द्र कोचर व विजय चोपड़ा ने बताया कि भगवान महावीर जन्मकल्याणक महोत्सव तक 4200 भक्तों को लाभान्वित करने का लक्ष्य रखा गया है। कोचर व चोपड़ा ने आगे बताया कि कोरोना के बाद युवाओं की अचानक हो रही आकस्मिक मौतों पर विचार विमर्श डॉक्टरी सलाह लेकर घर घर बी पी नापने की मशीन व शुगर टैस्टिंग इक्यूपमेंट का वितरण आरम्भ किया गया। विशेष अभियान चलाकर 4100 नग बी पी शुगर इक्यूपमेंट वितरण के लक्ष्य को पूरा कर लिया गया है। कोरोनाकाल के पश्चात वर्तमान में युवाओं की हार्टअटैक से मौत की घटनाओं की बढ़ोतरी हुई है। परिवारों में ब्लड प्रेशर व शुगर की बीमारियों ने अनेक जानें ली है। ब्लड प्रेशर कम ज्यादा होना जीवन के लिए घातक हो जाता है। घरों में बी पी मशीन होने से तुरंत प्रारम्भिक इलाज कर जान बचाई जा सकती है। जैन संवेदना ट्रस्ट द्वारा साधर्मिक भक्ति व अनुकम्पा सेवा चातुर्मास के अंतर्गत जैन साधर्मिक परिवारों के लिए स्वास्थ्य सजग प्रहरी योजना का विस्तार किया गया। स्वास्थ्य सजग प्रहरी योजना में 2500 रुपये की सहयोग राशि प्रदान कर एक साधर्मिक परिवार के सजग प्रहरी बन सकते हैं। इस योजना के अंतर्गत बी पी व शुगर जांच की मशीनों का वितरण किया गया।

मिशन जल रक्षा का दिखाई दे रहा असर

राजनांदगांव। जिले में मिशन जल रक्षा का असर अब दिखाई दे रहा है। जिले में गिरते हुए भू-जल स्तर के दृष्टिगत किसान रबी सीजन में धान के बदले अन्य फसल लेने के लिए प्रेरित हो रहे हैं। कलेक्टर जितेन्द्र यादव के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे मिशन जल रक्षा के क्रियान्वयन के लिए जिला पंचायत, कृषि विभाग, उद्यानिकी विभाग एवं अन्य सभी संबंधित विभागों द्वारा समन्वित तरीके से कार्य किया रहा है। जिसके सुखद परिणाम प्राप्त हो रहे है। यह अभियान जनसहभागिता से चलाया जा रहा है तथा शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जनमानस को जल संरक्षण के लिए प्रेरित किया जा रहा है। धान की फसल में पानी की अधिक आवश्यकता को देखते हुए किसानों का रूझान अब फसल विविधीकरण की ओर बढ़ रहा है। जिससे उनकी जागरूकता परिलक्षित हो रही है। छुरिया विकासखंड के किसान कामता साहू ने जल संरक्षण अभियान से प्रेरित होकर 10 एकड़ में धान फसल की जगह गेहूं, चना की फसल ली है। उन्होंने बताया कि किसानों को भी ग्रीष्म ऋतु में धान के बदले अन्य फसल लगाने के लिए प्रोत्साहित कर रहे है। धान के बदले प्याज फसल प्रदर्शन के तहत राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम धामनसरा के किसान गणेश राम पटेल ने 0.5 हेक्टेयर, ग्राम कुम्हालोरी की कृषक श्रीमती प्रभा बाई मंडावी ने 1 हेक्टेयर, ग्राम कुम्हालोरी के कृषक श्रीमती पुराईन बाई ने 1.800 हेक्टेयर में प्याज की फसल लगाई है। किसानों का रूझान धनिया की फसल की ओर भी बढ़ा है। ग्राम धामनसरा के कृषक मनसुख पटेल ने 0.800 हेक्टेयर में, ग्राम सुरगी के कृषक प्रद्धुम साहू ने 0.400 हेक्टेयर में, ग्राम सुरगी के कृषक नेतराम साहू ने 0.400 हेक्टेयर में, ग्राम भर्रेगांव के कृषक बसदेव निषाद ने 0.025 हेक्टेयर में धनिया की फसल ली है।

खेल अधोसंरचना को मिशन मोड में विकसित कर रही हमारी सरकार - मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा आयोजित 14वीं अखिल भारतीय पुलिस तीरंदाजी प्रतियोगिता 2025-26 का भव्य समापन मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मुख्य आतिथ्य में दुर्ग में संपन्न हुआ। मुख्यमंत्री साय ने विभिन्न राज्यों एवं केंद्रीय बलों से आए खिलाड़ियों, कोच और अधिकारियों का स्वागत करते हुए उनके प्रदर्शन की सराहना की।

समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री साय ने कहा कि पुलिस जवान कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारी निभाने के साथ खेलों में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं, जो उनके अनुशासन और समर्पण का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि तीरंदाजी छत्तीसगढ़ के जनजातीय क्षेत्र की विशिष्ट पहचान रही है और राज्य सरकार खेल अधोसंरचना को मिशन मोड में विकसित कर रही है। जशपुर में आर्चरी एकेडमी तथा नवा रायपुर में राष्ट्रीय स्तर की खेल सुविधाएं विकसित की जा रही हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि खेलों से अनुशासन, स्वास्थ्य और आत्मविश्वास बढ़ता है तथा युवाओं के लिए कैरियर के नए अवसर भी बनते हैं। राज्य सरकार खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए ओलंपिक पदक विजेताओं को आकर्षक प्रोत्साहन राशि प्रदान कर रही है। उन्होंने युवाओं से खेलों से जुड़ने और अभिभावकों से बच्चों को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने छत्तीसगढ़ की जनजातीय परंपराओं और धनुर्विद्या की समृद्ध विरासत का उल्लेख किया।

समारोह के दौरान मुख्यमंत्री ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छह टीमों सीआईएसएफ राजस्थान, सीआरपीएफ उत्तर प्रदेश, बीएसएफ एवं आईटीबीपी को शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया तथा प्रतियोगिता के औपचारिक समापन की घोषणा की।

नए विश्वास के साथ आगे बढ़ रहे पुनर्वासित युवा विधानसभा में समझी जनतांत्रिक प्रणाली

मुख्यधारा में लौटे युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए सरकार कर रही सतत प्रयास – मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। माओवाद की विचारधारा त्यागकर संविधान की राह अपनाने वाले 120 पुनर्वासित युवाओं के दल ने आज छत्तीसगढ़ विधानसभा पहुंचकर जनतांत्रिक प्रक्रिया का प्रत्यक्ष अवलोकन किया। युवाओं ने सदन की कार्यवाही को करीब से देखा तथा लोकतांत्रिक व्यवस्था की कार्यप्रणाली को समझा। विधानसभा का यह शैक्षणिक भ्रमण उनके लिए प्रेरणादायी और मार्गदर्शक अनुभव साबित हुआ।

विधानसभा परिसर में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से आत्मीय मुलाकात की। मुख्यमंत्री साय ने सभी का 'जय जोहार' के साथ स्वागत करते हुए कहा कि पुनर्वास का निर्णय लेने वाले सभी साथियों का राज्य सरकार हृदय से अभिनंदन करती है। उन्होंने कहा कि सरकार पुनर्वासित युवाओं की सुरक्षा और सम्मान का विशेष ध्यान रखेगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता है कि सभी पुनर्वासित युवा समाज की मुख्यधारा में सम्मानपूर्वक जीवनयापन कर सकें और आत्मनिर्भर बनें। इसी उद्देश्य से पुनर्वास नीति को प्रभावी ढंग से लागू किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि हिंसा का मार्ग छोड़कर आज संविधान के मंदिर में खड़े होकर लोकतांत्रिक प्रक्रिया का साक्षी बनना इस बात का प्रमाण है कि बदलाव संभव है। मुख्यमंत्री श्री साय ने युवाओं को शिक्षा, स्वरोजगार और शासन की विभिन्न योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने के लिए प्रेरित किया।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि जो युवा 'गन'तंत्र का रास्ता छोड़कर गणतंत्र की मुख्यधारा में लौटे हैं, उनका राज्य सरकार हृदय से स्वागत करती है। उन्होंने कहा कि संविधान का मार्ग ही शांति, विकास और समृद्धि का मार्ग है। राज्य सरकार पुनर्वासित युवाओं के सम्मानजनक जीवन, रोजगार और कौशल विकास के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। उन्होंने विश्वास जताया कि ये युवा समाज में सकारात्मक परिवर्तन के वाहक बनेंगे और अन्य लोगों को भी मुख्यधारा में लौटने के लिए प्रेरित करेंगे।

इस अवसर पर वित्त मंत्री ओपी चौधरी, वन मंत्री केदार कश्यप, स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव, संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल, कौशल विकास मंत्री गुरु खुशवंत साहेब, कृषि मंत्री रामविचार नेताम, राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, विधायक किरण देव तथा सुशांत शुक्ला ने भी पुनर्वासित युवाओं से मुलाकात कर उन्हें आश्वस्त किया कि शासन उनके साथ दृढ़ता से खड़ा है।

पुनर्वासित युवाओं ने भी अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था को निकट से देखने का यह अवसर उनके लिए अत्यंत प्रेरणादायी रहा। उन्होंने संकल्प व्यक्त किया कि वे अब संविधान और कानून के दायरे में रहकर समाज के विकास में सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

उल्लेखनीय है कि 120 सदस्यीय इस दल में 66 पुरुष एवं 54 महिला प्रतिभागी शामिल हैं। पुनर्वासित युवाओं का यह समूह तीन दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण के तहत रायपुर पहुंचा है, जहां वे शासन-प्रशासन की विभिन्न व्यवस्थाओं, कार्यप्रणालियों एवं विकासात्मक पहलों से अवगत हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री साय ने दी जशपुर जिले को बड़ी सौगात

30.59 करोड़ की 9 सड़कों को मिली मंजूरी

आवागमन के साथ स्वास्थ्य, शिक्षा और व्यापार को मिलेगा बढ़ावा

श्रीकंचनपथ न्यूज

करोड़ों की सौगात से विकास को मिलेगी रफ्तार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जशपुर जिले को विकास की नई रफ्तार देते हुए 9 महत्वपूर्ण सड़कों के निर्माण के लिए कुल 30 करोड़ 59 लाख की स्वीकृति प्रदान की है। इन परियोजनाओं से ग्रामीण अंचलों में आवागमन सुगम होगा, व्यापार-व्यवसाय को बढ़ावा मिलेगा और शिक्षा-स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच आसान होगी। दो वर्षों के भीतर मिली इस करोड़ों की सौगात से जिले की सड़क व्यवस्था का व्यापक कायाकल्प हो रहा है।

क्षेत्रवासियों ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए इसे ऐतिहासिक पहल बताया है। जिले के ढूंड़गजोर (सरसमार) से चिढ़रापारा पत्थलगांव तक 2 किमी 1 करोड़ 96 लाख, ग्राम ढोंगादरहा से अम्बाकछार मार्ग 3 किमी 4 करोड़ 84 लाख, ग्राम पंचायत मुड़ापारा (हड्डी गोदाम मेन रोड) से घिंचापानी होते हुए पंगसुवा मार्ग 4.85 किमी 4 करोड़ 26 लाख, ग्राम कोतबा से सरईकोना होते हुए पिकपारा मार्ग 4.60 किमी 4 करोड़ 59 लाख, कांसाबेल के बटाईकला प्रेमनगर से मारचाईढोढ़ी मार्ग 2.90 किमी, 2 करोड़ 79 लाख, कांसाबेल खूंटीटोली बस्ती से चेतबा हाई स्कूल मार्ग 2 किमी 2 करोड़ 4 लाख, कांसाबेल कोरंगा से नवाटोली से भागलपुर मार्ग 2 किमी 2 करोड़ 14 लाख, कुड़केल खजरी के पटेल पारा से बगई झरिया मार्ग 3.80 किमी 3 करोड़ 28 लाख, कोकिया खार से आमकानी मेन रोड तक 4 किमी 4 करोड़ 69 लाख रुपए की मंजूरी मिली है।

इन सड़कों के निर्माण से ग्रामीण क्षेत्रों में यातायात की सुविधा बेहतर होगी, किसानों को अपनी उपज बाजार तक पहुंचाने में आसानी होगी तथा विद्यार्थियों को स्कूल-कॉलेज आने-जाने में राहत मिलेगी। क्षेत्रवासियों ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में जशपुर जिले में लगातार विकास कार्यों की सौगात मिल रही है, जिससे गांव-गांव में खुशहाली का मार्ग प्रशस्त हो रहा है। यह स्वीकृति जशपुर जिले के सर्वांगीण विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

'आशा बिहान बाजार' की शुरुआत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर । राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन एक प्रमुख गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम है। इसका उद्देश्य स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से ग्रामीण, विशेषकर महिलाओं को सशक्त बनाना, वित्तीय सहायता प्रदान करना, और स्थायी आजीविका के लिए स्वरोजगार के अवसर पैदा करना है। छत्तीसगढ़ शासन की राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) अंतर्गत संचालित लखपति महिला पहल के तहत सरगुजा जिले में स्व-सहायता समूह की महिलाओं द्वारा नवाचार करते हुए आशा बिहान बाजार की शुरुआत की गई है, जिससे अब ग्रामीण महिलाओं के उत्पादों को सीधे बाजार मिल सकेगा।

जिले के अम्बिकापुर विकासखण्ड अंतर्गत किशुनगर की स्व-सहायता समूह से जुड़ी श्रीमती आशा रवि ने आशा बिहान बाजार की शुरुआत कर महिला स्वावलंबन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। बिहान से प्राप्त आर्थिक सहयोग के माध्यम से अब वे समूह से जुड़ी विभिन्न महिलाओं द्वारा तैयार उत्पादों का संगठित एवं सुव्यवस्थित विक्रय कर सकेंगी।शुद्ध सरसों तेल, मल्टीग्रेन आटा, अचार और अन्य हस्तशिल्प—को उचित बाजार न मिल पाने के कारण विक्रय में कठिनाई होती थी। आशा रवि ने इस चुनौती को अवसर में बदलते हुए बिहान योजना के तहत मिलने वाली वित्तीय सहायता से स्वयं का बाजार स्थापित किया है। अम्बिकापुर के भट्ठी रोड में फूडपार्क के सामने स्थित आशा बिहान बाजार में महिलाओं द्वारा निर्मित नेचुरल प्रोडक्ट उपलब्ध होंगे। लखपति महिला पहल' के अंतर्गत आशा रवि को कुल 10 लाख रुपये की सहायता राशि स्वीकृत की गई है। इस राशि में से प्रथम किश्त के रूप में 5 लाख रुपये प्रदाय किए जा चुके हैं, जिसका उपयोग कर उन्होंने इस बाजार की नींव रखी। अब इस केंद्र के माध्यम से आसपास के समूहों के उत्पादों का आसानी से विक्रय हो सकेगा, जिससे सैकड़ों महिलाओं की आय में वृद्धि होगी।

राजधानी रायपुर में होगा भव्य प्रवासी छत्तीसगढ़िया सम्मेलन

'मोर माटी, मोर मान' की थीम पर होगा छत्तीसगढ़िया आगाज

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्य सचिव विकासशील की अध्यक्षता में विधानसभा स्थित समिति कक्ष में प्रवासी छत्तीसगढ़िया सम्मेलन की तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित हुई। बैठक में जनसंपर्क विभाग के सचिव रोहित यादव और आयुक्त डॉ. रवि मित्तल ने तैयारियों की विस्तार से जानकारी दी। बैठक में संबंधित विभागों के प्रमुख सचिव, सचिव एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे।

बैठक में बताया गया कि रायपुर साहित्य महोत्सव की तरह ही नवा रायपुर में आगामी 27 और 28 मार्च को भव्य प्रवासी छत्तीसगढ़िया सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। इस सम्मेलन में विदेशों में रह रहे छत्तीसगढ़ के निवासियों को आमंत्रित किया जाएगा। इसके लिए पोर्टल भी तैयार किया गया है, इस पोर्टल के माध्यम से पंजीयन किया जा रहा है । सम्मेलन में छत्तीसगढ़ी लोक परंपरा व संस्कृति से जुड़े कार्यक्रम भी आयोजित होंगे।

मुख्य सचिव विकासशील ने कहा कि विदेशों में रह रहे छत्तीसगढ़ वासियों को यहां के लोगों से जोड़ने की यह पहल सराहनीय है। उन्होंने प्रवासी छत्तीसगढ़िया सम्मेलन के आयोजन को राज्य और प्रवासियों दोनों के लिए एक बेहतर अवसर बताया ।

मुख्य सचिव ने बैठक में कहा कि समिट में आने वाले प्रवासी छत्तीसगढ़ वासियों को उनकी आवश्यकतानुसार सभी सुविधाएँ उपलब्ध कराने के निर्देश दिए ।

मुख्य सचिव ने सम्मेलन के लिए संबंधित विभाग के अधिकारियों को कार्यक्रम में सहयोग करने के निर्देश दिए। उन्होंने विदेशों में रह रहे छत्तीसगढ़ के ऐसे लोग जो अपने कार्य क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर छत्तीसगढ़ का गौरव बढ़ा रहे हैं उन्हें सम्मानित करने की भी बात कही।

बैठक में अधिकारियों ने बताया कि सम्मेलन में आने वाले विभिन्न विषयों के विशेषज्ञ छत्तीसगढ़ियों से यहां के युवाओं का मार्गदर्शन सत्र भी रखा जाये जिनसे उन्हें लाभ प्राप्त हो ।

विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े हुए प्रवासियों को यहां निवेश के लिए आमंत्रित किया जाएगा। इस मौके पर यदि प्रवासी नागरिक किसी भी सेक्टर में निवेश अथवा कार्य करने की सहमति प्रदान करते हैं तो उनसे एमओयू भी किया जाएगा। प्रवासी छत्तीसगढ़िया सम्मेलन के दौरान छत्तीसगढ़ी व्यंजन भी परोसा जाएगा।

पीएम जनमन योजना से बस्तियों तक पहुंच रही स्वास्थ्य सेवाएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। दूरस्थ वनांचल और दुर्गम पहाड़ी इलाकों में बसे विशेष पिछड़ी जनजाति समुदाय के लिए स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच लंबे समय से एक बड़ी चुनौती रही है। ऐसे में प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाभियान (पीएम जनमन) के अंतर्गत संचालित मोबाइल मेडिकल यूनिट से बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित की जा रही है।

बलरामपुर रामानुजगंज जिले में विशेष रूप से पिछड़ी जनजातियों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से चार मोबाइल मेडिकल यूनिट संचालित की जा रही हैं। इन यूनिटों के माध्यम से विकासखण्ड बलरामपुर, राजपुर, कुसमी और शंकरगढ़ के सुदूर पहाड़ी कोरवा बाहुल्य क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं सीधे गांव और बसाहटों तक पहुंचाई जा रही हैं। अब ग्रामीणों को प्राथमिक उपचार के लिए कई किलोमीटर दूर स्वास्थ्य केंद्रों की ओर नहीं जाना पड़ता, बल्कि स्वास्थ्य सेवाएं स्वयं उनके घर के समीप पहुंच रही हैं। मोबाइल मेडिकल यूनिट में चिकित्सक, नर्सिंग स्टाफ, लैब टेक्नीशियन तथा आवश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। साथ ही सामान्य स्वास्थ्य जांच के साथ रक्तचाप, शुगर, हीमोग्लोबिन जैसे आवश्यक लैब टेस्ट किए जाते हैं। जरूरत पड़ने पर मरीजों को आगे के उपचार के लिए उच्च स्वास्थ्य केंद्रों में रेफर भी किया जा रहा है। गर्भवती महिलाओं की नियमित जांच, बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण तथा बुजुर्गों की देखभाल पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार अब तक 235 बसाहटों में 87 स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जा चुके हैं। इन शिविरों में कुल 3,678 हितग्राहियों को स्वास्थ्य सेवाओं से लाभान्वित किया गया है। मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से विशेष पिछड़ी जनजाति समुदाय में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता भी बढ़ रही है। पहले जहां ग्रामीण सामान्य बुखार या संक्रमण को नजरअंदाज कर देते थे या बैगा गुनिया का सहारा लेते थे, लेकिन अब वे नियमित जांच और परामर्श के महत्व को समझने लगे हैं। स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ने से विशेष पिछड़ी जनजाति समुदाय में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है।

गौरतलब है कि जिले में कलेक्टर राजेन्द्र कटारा के निर्देशन तथा जिला पंचायत सीईओ नयनतारा सिंह तोमर के मार्गदर्शन में मोबाइल मेडिकल यूनिट का सुव्यवस्थित संचालन किया जा रहा है। नियमित मॉनिटरिंग, तय रूट चार्ट और सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से बसाहटों में स्वास्थ्य सेवायें सुनिश्चित की जा रही है। पीएम जनमन के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार निश्चित ही विशेष पिछड़ी जनजातियों के जीवन स्तर में दीर्घकालिक सकारात्मक परिवर्तन लाने की दिशा में सशक्त प्रयास सिद्ध हो रहा है।

एनीमिया के रोकथाम एवं नियंत्रण के सम्बन्ध में शिक्षकों को दिया प्रशिक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

अम्बिकापुर। एनीमिया मुक्त भारत अभियान अंतर्गत एनीमिया मुक्त सरगुजा के तहत स्वास्थ्य विभाग द्वारा बच्चों में एनीमिया बीमारी के रोकथाम हेतु 01 वर्ष से 19 वर्ष के किशोर (लड़के और लड़कियों) को जागरूकता एवं बचाव हेतु विकासखण्ड बतौली, लुण्ड्रा, सीतापुर एवं मैनपाट के शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पी. एस. मार्को एवं जिला शिक्षा अधिकारी के मार्गदर्शन में बच्चों में एनीमिया के रोकथाम एवं नियंत्रण के सम्बन्ध में शिक्षण संस्थान के शिक्षकों हेतु स्वास्थ्य विभाग के द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

स्वास्थ्य विभाग से मास्टर ट्रेनर सिकल सेल नोडल डॉ. श्रीकांत सिंह चौहान के द्वारा प्राथमिक,माध्यमिक एवं हाई स्कूल के शिक्षक, व्याख्याता को एनीमिया 01 वर्ष से लेकर 19 वर्ष के किशोर (लड़के और लड़कियों) में रोकथाम एवं जागरूकता संबंधी प्रशिक्षण प्रदान किया गया। उन्होंने एनीमिया से रोकथाम संबंधी जानकारी देते हुए बताया कि आयरन से भरपूर आहार पालक, मेथी, सोयाबीन, अंडे, मांस और मछली का सेवन करें। उन्होंने बताया कि विटामिन सी नींबू, संतरा और आंवला जैसे फल खाएं, क्योंकि विटामिन सी आयरन के अवशोषण में मदद करता है। साप्ताहिक आयरन की गोली स्कूल में स्वास्थ्य विभाग के द्वारा एनीमिया मुक्त भारत रणनीति के तहत दी जाने वाली नीली (किशोरों के लिए) या गुलाबी (बच्चों के लिए) आयरन की गोलियों के महत्व को बताएं। भ्रांतियों को दूर करें।

विजय-रश्मिका की शादी की तस्वीरों ने हिलाया इंटरनेट

महज दो घंटे में मिले 16 मिलियन लाइक

इश्क को अपनी मंजिल मिल गई। रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा की मोहब्बत मुकम्मल हो गई। दोनों गुरुवार को अपनों के बीच शादी के पवित्र बंधन में बंध गए। रश्मिका और विजय ने शादी की तस्वीरें फैंस के साथ साझा कीं, जिन पर फैंस ने भी खूब प्यार बरसाया है।

गुरुवार को साउथ एक्टर विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना शादी के बंधन में बंध गए है। दोनों ने सोशल मीडिया पर अपनी शादी की तस्वीरें साझा की, जिन पर फैंस और सेलेब्स ने खूब प्यार बरसाया। इन तस्वीरों को दो घंटे में 11 मिलियन लाइक्स मिले। रश्मिका और विजय की पोस्ट के कमेंट सेक्शन में फैंस, सेलेब्स ने इस नए जोड़े को प्यार भरे संदेश और बधाई दी हैं।

दो घंटे में मिले 13 मिलियन लाइक्स

रश्मिका और विजय ने अपनी शादी को कैमरों की नजर से दूर रखा लेकिन इंस्टाग्राम पर अपनी शादी तस्वीरों को फैंस के साथ साझा किया। इनकी शादी की तस्वीर को शेयर हुए सिर्फ 2 घंटो में कुल 16 मिलियन लाइक्स दोनों की पोस्ट को मिले थे रश्मिका की पोस्ट को लगभग 9 मिलियन लाइक्स और विजय की पोस्ट को 7 मिलियन से अधिक लाइक मिले । इससे पात चलता है कि दोनों की फैन फॉलोइंग कितनी जबरदस्त है।

फैंस और सेलेब्स ने खूब प्यार लुटाया और बधाई दी

फैंस और साउथ से लेकर बॉलीवुड सेलेब्स तक ने रश्मिका और विजय की शादी की तस्वीर को लाइक ही नहीं किया है, इस कपल को बधाई भी दी है। ईशान खट्टर, विनीत सिंह, नेहा मलिक, नितांशी गोयल, नेहा धूपिया और राशि खन्ना जैसे बॉलीवुड सेलेब्स ने बधाई दी है। वहीं कई साउथ सेलेब्स ने भी इन कपल को शादी की खूब बधाई दी है।

फैंस ने भी रश्मिका और विजय की पोस्ट पर जमकर कमेंट किए हैं। हार्ट, फायर इमोजी शेयर किए। एक यूजर ने लिखा, 'बधाई हो, मेरे फेवरेट कपल, किसी की नजर ना लगे।' इसी तरह एक अन्य फैन ने लिखा, 'शादी मुबारक हो।' इसी तरह के कई प्यार भरे कमेंट्स फैंस ने रश्मिका और विजय की पोस्ट पर किए हैं।

दो परंपराओं से हुई विजय और रश्मिका की शादी

दोस्त से पति-पत्नी बने विजय-रश्मिका विजय और रश्मिका ने उदयपुर में जाकर अपने करीबी लोगों के बीच शादी की। दो अलग-अलग परंपराओं से यह शादी हुई। पहले तेलुगु रीति-रिवाज से विवाह हुआ, इसके बाद कोडावा विवाह संपन्न किया गया। रश्मिका और विजय ने जब अपनी शादी की तस्वीरें साझा कीं तो दोनों की आंखों में खुशी के आंसू थे।

दुल्हन के जोड़े में खूबसूरत लगीं रश्मिका

रश्मिका मंदाना शादी में बेहद खूबसूरत लग रही थीं। इस दौरान वो सिल्क के कपड़ों में दुल्हन के तौर पर नजर आईं। जो पारंपरिक रीति-रिवाजों को दर्शाता है। वो दुल्हन के रूप में काफी खूबसूरत नजर आईं।

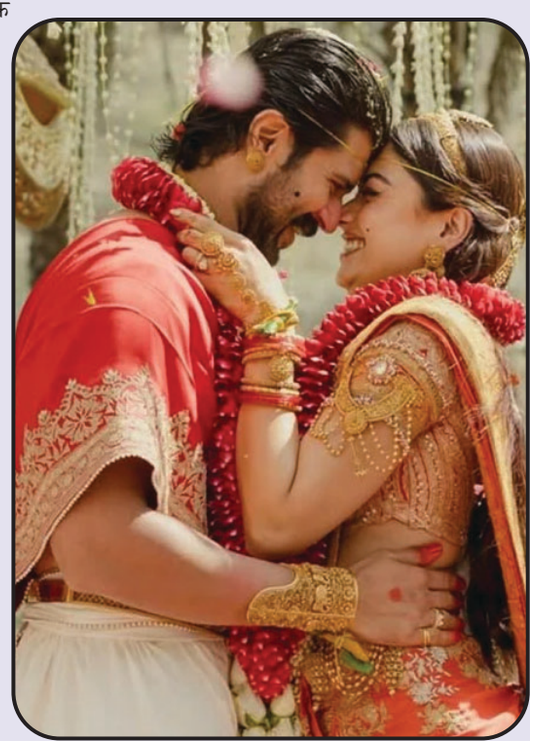

सलमान खान की भांजी अलीजेह अग्निहोत्री की दूसरी फिल्म तैयार

क्वीन और सुपर 30 जैसी बेहतरीन फिल्मों का निर्देशन करने वाले निर्देशक विकास बहल ने अपनी अगली म्यूजिकल फिल्म के लिए सिद्धांत चतुर्वेदी और सलमान खान की भांजी अलीजेह अग्निहोत्री को साइन किया है। बॉलीवुड की ये नई जोड़ी एक शानदार संगीतमय सफर पर निकलने के लिए तैयार है। अलीजेह की फर्रे में तारीफों के बाद सिद्धांत के साथ उनकी ये केमिस्ट्री दर्शकों के लिए काफी रोमांचक होने वाली है।

रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म की कहानी इंग्लैंड में रहने वाले उन पंजाबी युवाओं पर आधारित है, जो अपनी मिट्टी (पंजाब) से भी जुड़े थे और वहां की संस्कृति में भी ढल रहे थे। इसमें आपको 90 के दशक का लुक, डांस क्लबों का माहौल और पंजाबी संगीत के दुनियाभर में मशहूर होने के पीछे के संघर्ष व जुनून को देखने को मिलेगा। फिल्म में दिखाया जाएगा कि कैसे लंदन की गलियों में पंजाब की आवाज गूंजी और इतिहास रचा गया।

सिद्धांत इस फिल्म में एक ढोल बजाने वाले की भूमिका में नजर आएंगे, वहीं अलीजेह एक गायिका की भूमिका निभाएंगी। निर्देशक विकास बहल ने इस फिल्म को एक म्यूजिकल लव स्टोरी के रूप में बुना है। इसमें प्यार के साथ-साथ सपनों को पूरा करने की जिद और अपनी पहचान बनाने के संघर्ष को दिखाया जाएगा। फिल्म की स्क्रिप्ट पूरी हो चुकी है। तैयारियां जल्द शुरू होंगी और फिल्म की शूटिंग 2026 के दूसरे हिस्से में शुरू करने की योजना है।

सिद्धांत और निर्देशक विकास बहल की ये साथ में दूसरी फिल्म होगी। इससे पहले उन्होंने एक रोमांटिक कॉमेडी दिल का दरवाजा खोल ना डार्लिंग में साथ काम किया है, जो इसी साल (2026) जुलाई से सितंबर के बीच रिलीज हो सकती है। सिद्धांत की फिल्म दो दीवाने शहर में कुछ ही दिन पहले सिनेमाघरों में आई है। इस अपनी नई म्यूजिकल फिल्म की शूटिंग शुरू करने से पहले सिद्धांत महान फिल्म निर्माता वी शांताराम की बायोपिक की शूटिंग पूरी करेंगे।

अलीजेह ने साल 2023 में फिल्म फर्रे से बॉलीवुड में अपनी शानदार शुरुआत की थी। फिल्म थाई ब्लॉकबस्टर बैड जीनियस का रीमेक थी, जिसमें अलीजेह की एक्टिंग की जमकर तारीफ हुई थी। समीक्षकों और दर्शकों ने उनके सधे हुए अभिनय को काफी सराहा था। अब वो विकास बहल की अगली म्यूजिकल फिल्म में नजर आएंगी, जो उनके करियर की दूसरी फिल्म होगी। ये खबर सुनकर अलीजेह के प्रशंसक उत्साहित हो उठेंगे, जिन्हें उनकी अगली फिल्म का बेसब्री से इंतजार था।

क्यों शादी से डरती हैं डेजी शाह?

करवाए अपने एग्स फ्रीज .....

बॉलीवुड एक्ट्रेस डेजी शाह ने हाल ही में शादी और मां बनने को लेकर अपनी सोच खुलकर शेयर की है। डेजी शाह ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने शादी को डरावना बताया है और उन्होंने साफ कहा कि उनके लिए परिवार शुरू करने के लिए शादी जरूरी नहीं है। साथ ही मां बनने को लेकर भी उन्होंने बड़ा फैसला लिया है।

आजकल शादी डरावनी लगती है

एक इंटरव्यू में, 'जय हो' की एक्ट्रेस ने बताया कि उन्होंने अपने एग्स फ्रीज करवा लिए हैं, ताकि भविष्य में जब भी वे चाहें, वे मां बन सकें। उनका कहना है कि वे अपनी जिंदगी के फैसले अपनी शर्तों पर लेना चाहती हैं।

डेजी ने माना कि आजकल रिश्तों से जुड़ी खबरें उन्हें परेशान करती हैं। उन्होंने कहा, 'हर दिन कुछ ना कुछ हो रहा है, कपल्स के ब्रेकअप या वो 'ब्लू ड्रम' जैसे चौंकाने वाले मामले। ये सब बहुत डरावना है।'

हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने शादी को लेकर ज्यादा सोचा नहीं है। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह शादी करेंगी, तो उन्होंने जवाब दिया कि यह फैसला उन्होंने 'ऊपरवाले पर छोड़ दिया है।'

क्या चुनेंगी डेजी...प्यार या पैसा?

इंटरव्यू के दौरान जब उनसे 'प्यार' और 'पैसा' में से एक चुनने को कहा गया, तो 41 साल की एक्ट्रेस ने मुस्कुराते हुए कहा कि उन्हें दोनों चाहिए। उनका मानना है कि रिश्ते में इमोशनल कनेक्शन के साथ-साथ आर्थिक रूप से मजबूत होना भी जरूरी है। वे चाहती हैं कि उनका पार्टनर खुद से आर्थिक रूप से सुरक्षित और स्वतंत्र हो।

परिवार शुरू करने के लिए शादी जरूरी नहीं

मदरहुड पर बात करते हुए डेजी ने साफ कहा, 'परिवार शुरू करने के लिए शादी जरूरी नहीं है।' उन्होंने बताया कि उन्होंने एग फ्रीज करवाने का फैसला इसलिए लिया, ताकि वे जब भी चाहें, बच्चे कर सकें।

वर्कफ्रंट

वर्कफ्रंट की बात करें, तो डेजी शाह आखिरी बार वेब सीरीज 'रेड रूम' में नजर आई थी। वे अब पलाश मुच्छल के निर्देशन में बनी फिल्म में नजर आएंगी, जिसमें उनके साथ श्रेयास तलपडे नजर आएंगे।

माइक्रोवेव में झटपट बनाएं जा सकते हैं ये 5 तरह के व्यंजन

कुछ लोग गैस पर खाना बनाने से हमेशा बचते रहते हैं। ऐसे में उनके लिए माइक्रोवेव काफी उपयोगी हो सकता है। माइक्रोवेव में खाना गर्म करने के अलावा, कई तरह के स्वादिष्ट व्यंजन भी बनाएं जा सकते हैं। इसमें कुछ व्यंजन जल्दी बन सकते हैं और इसके लिए आपको बहुत ज्यादा मेहनत करने की भी जरूरत नहीं पड़ेगी। आइए आज हम आपको 5 व्यंजनों की ऐसी रेसिपी बताते हैं, जो माइक्रोवेव में झटपट बनाएं जा सकते हैं।

गाजर का हलवा

सबसे पहले कद्दूकस की हुई गाजर और घी को एक साथ मिलाएं, फिर इसे 5 मिनट के लिए माइक्रोवेव करें। इसके बाद इस मिश्रण में दूध और चीनी डालकर दोबारा से 10 मिनट के लिए माइक्रोवेव कर लें। अब मिश्रण को चम्मच से मिलाएं और फिर से 10 मिनट के लिए माइक्रोवेव करें। 10 मिनट के बाद हलवा माइक्रोवेव से बाहर निकालें और इसमें इलायची और मेवे डालकर 2 मिनट के लिए और माइक्रोवेव करने के बाद गरमागरम परोसें।

ब्राउनीज

सबसे पहले एक कटोरे में डार्क चॉकलेट और मक्खन डालकर इसे 20 सेकंड के लिए माइक्रोवेव में रखकर पिघला लें। अब एक दूसरा कटोरा लें और इसमें मैदा, चीनी और नाम डालकर अच्छे से फेंटें। इसके बाद दोनों मिश्रण को एक साथ मिलाएं। अब एक बेकिंग टिन लें और उसमें मिश्रण डालकर 2 मिनट के लिए माइक्रोवेव करें। जब यह अच्छे से पक जाए तो इसके ऊपर चॉकलेट सिरप डालकर परोसें।

आलू के चिप्स

इसे बनाने के लिए सबसे पहले कुछ आलू को अच्छे से धोकर छील लें और फिर इसे पतले स्लाइस में काटें। अब सभी चिप्स को एक कटोरे में डाल दें और इसमें जैतून का तेल और नमक डालकर अच्छे से मिलाएं। अब इन चिप्स को माइक्रोवेव की प्लेट पर रखें और 3-4 मिनट के लिए माइक्रोवेव में क्रिस्पी होने तक अच्छे से पकाएं। इन चिप्स को टमाटर की केचअप के साथ गरमागरम परोसें।

पनीर टिक्का

सबसे पहले एक कटोरे में दही लें और उसमें लहसुन-अदरक का पेस्ट, चाट मसाला, लाल मिर्च पाउडर, काली मिर्च पाउडर, अमचूर पाउडर, कसूरी मेथी , नींबू का रस और थोड़ा सिरका डालकर अच्छे से मिलाएं। अब इसमें पनीर के टुकड़े डालें और फिर इसे कम से कम 2 घंटे के लिए अगल रख दें ताकि पनीर मिश्रण का स्वाद अच्छे से सोख लें। इसके बाद इसे माइक्रोवेव में लगभग 4-5 मिनट तक पकाएं।

वेनिला मग केक

इसे बनाने के लिए सबसे पहले एक कप में थोड़ा मैदा, नमक, चीनी और बेकिंग पाउडर डालें। अब इसे अच्छे से मिलाएं ताकि सभी सामग्री अच्छी तरह से मिक्स हो जाए। इसके बाद इसमें दूध, थोड़ा मक्खन और वेनिला एसेंस डालकर अच्छे से मिलाएं। अब इसके ऊपर चेरी डालकर कप को लगभग 70-90 सेकंड के लिए माइक्रोवेव में रख दें। जब केक अच्छे से फूल जाए तो इसे परोसें।

खास खबर

30 आयुष्मान आरोग्य मंदिर को राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाण पत्र हुआ प्राप्त

राजनांदगांव। राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक के निरीक्षण के अंतर्गत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अर्जुनी विकासखंड डोंगरगांव में राष्ट्रीय निरीक्षक डॉ. के श्रीनाथ रेड्डी एवं डॉ. मधुरजय बरूवा द्वारा 2 दिवसीय एनक्यूएएस असेसमेंट सफलता पूर्वक सम्पन हुआ। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एनआर नवरतन एवं डीपीएम संदीप ताम्रकार के द्वारा सतत निगरानी की जा रही है। जिले से डॉ. विकास राठौर, डॉ. स्नेहा जैन, डॉ. निहारिका टीम बनाकर तैयारी कराई जा रही है। जिले के 30 आयुष्मान आरोग्य मंदिर को राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाण पत्र प्राप्त हो चुका है। 83 संस्था की तैयारी पूर्ण का आवेदन किए हुए हैं, 24 का निरीक्षण हो चुका है जिसका राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाण पत्र आना बाकी है। मार्च 2026 तक 7 और संस्था की तैयारी पूर्ण कर आवेदन किया जाएगा। पूरे प्रदेश में राजनांदगांव जिला राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक में प्रथम स्थान पर है।

वरिष्ठ नागरिकों को सहायक उपकरण वितरण प्रशंसनीय एवं अनुकरणीय कार्य : महापौर

राजनांदगांव। समाज कल्याण विभाग एवं एलिम्को जबलपुर द्वारा गांधी सभागृह राजनांदगांव में वरिष्ठ नागरिकों को सहायक उपकरण वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महापौर मधुसूदन यादव उपस्थित थे। उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि समाज कल्याण विभाग एवं एलिम्को द्वारा वरिष्ठ नागरिकों को सहायक उपकरण वितरण प्रशंसनीय एवं अनुकरणीय कार्य है। उन्होंने सहायक उपकरण मिलने पर वरिष्ठ नागरिकों को बधाई दी। इस दौरान 270 वरिष्ठ नागरिकों को सहायक उपकरणों का वितरण किया गया। उप संचालक समाज कल्याण श्रीमती वैशाली मरडवार ने बताया कि समाज कल्याण विभाग एवं एलिम्को जबलपुर द्वारा शिविर लगाकर सहायक उपकरण प्रदान करने के लिए पात्र वरिष्ठ नागरिकों को चिन्हांकन एवं परीक्षण किया गया।

एमआईजी, एलआईजी एवं ईडब्ल्यूएस भवनों के लिए पंजीयन प्रारंभ

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा अटल विहार योजना के तहत राजनांदगांव शहर के आशा नगर में सर्व सुविधायुक्त कालोनी विकसित की गई है। यह कॉलोनी शहर के रेवाडीह नेशलन हाईवे जीई रोड़ से मात्र 300 मीटर की दूरी, मां पाताल भैरवी मंदिर से मात्र 700 मीटर की दूरी पर स्थित है। यहां से नया बस स्टैण्ड ढाई किलोमीटर और रेलवे स्टेशन 3.50 किलोमीटर। की दूरी पर स्थित है। कॉलोनी में बच्चों के लिए प्लेग्राउण्ड, गार्डन, स्टिल्ट पार्किंग, लिफ्ट, चौड़ी सड़क सहित अन्य सुविधाएं है। अटल विहार योजना के तहत राजनांदगांव शहर के आशा नगर में 1.57 एकड़ भूमि पर विभिन्न आय वर्गों के लिए मकान बनाया जाएगा।

सीएम हेल्पलाईन एकीकृत शिकायत निवारण प्रणाली से जनसामान्य की शिकायतों का होगा निराकरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के सुशासन एवं अभिसरण विभाग की सीएम हेल्पलाईन के माध्यम से जनसामान्य की समस्याओं का निराकरण किया जाएगा। लोगों द्वारा विभिन्न माध्यमों से शिकायत दर्ज करायी जा सकेगी। इसमें दूरभाष, व्हाट्सएप, पोर्टल पर ऑनलाईन शिकायत दर्ज करायी जा सकेगी। मुख्यमंत्री के जनदर्शन में प्राप्त शिकायतों के आवेदनों निराकरण भी सीएम हेल्पलाईन से किया जा सकेगा एवं जिलों में कलेक्टर द्वारा जनदर्शन में प्राप्त शिकायतों को भी सीएम हेल्पलाईन में दर्ज किया जाएगा। आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में सुशासन एवं अभिसरण विभाग के सचिव श्री राहूल भगत की अध्यक्षता में सीएम हेल्पलाईन योजना हेतु नामांकित विभिन्न विभागों के नोडल अधिकारियों एवं सहायक नोडल अधिकारियों का प्रशिक्षण सह बैठक का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण में तकनीकी सपोर्ट टीम द्वारा अधिकारियों को सीएम हेल्पलाईन के तहत कार्य करने का प्रेजेंटेशन के जरिये तकनीकी प्रशिक्षण दिया गया।

सुशासन एवं अभिसरण विभाग के सचिव श्री राहूल भगत ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मंशानुसार छत्तीसगढ़ राज्य में जनसामान्य की शिकायतों का निराकरण शीघ्रता से हो, इसके लिए सीएम हेल्पलाईन एकीकृत शिकायत निवारण प्रणाली के माध्यम से शिकायतों को पंजीकृत कर निर्धारित समय-सीमा में समस्याओं का निराकरण होगा। इसके लिए अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाएगी कि वे प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध निराकरण करें। राज्य शासन के विभागों के अंतर्गत प्राप्त शिकायतों को पंजीकृत किया जाएगा।

इसकी जानकारी विभाग के सचिव को होगी। विभागीय सचिव को यह जानकारी होगी की दर्ज शिकायत का निराकरण किस स्तर के अधिकारी द्वारा कर दिया गया है।

आधुनिक अधोसंरचना की दिशा में प्रदेश का सशक्त संकल्प है सिटी गैस परियोजना : मुख्यमंत्री साय

मेट्रो शहरों की तरह डोमेस्टिक पाइप्ड नेचुरल गैस माध्यम से घरों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को मिलेगी गैस

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर के एक निजी होटल में सिटी गैस अवसंरचना परियोजना का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने सीएनजी युक्त वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और रायपुर नगर निगम की पहली पाइपलाइन गैस उपभोक्ता पूनम चौबे से संवाद कर घरेलू उपयोग में पाइपलाइन गैस की सुविधा के बारे में जानकारी ली।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ अपने गठन के 25 वर्ष पूरे कर रजत जयंती वर्ष मना रहा है और इन वर्षों में प्रदेश ने विकास के अनेक आयाम स्थापित किए हैं। सिटी गैस अवसंरचना परियोजना इस विकास यात्रा में एक नई उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि यह पहल केवल नई सुविधा नहीं, बल्कि स्वच्छ ऊर्जा, पर्यावरण संरक्षण और आधुनिक अधोसंरचना की दिशा में प्रदेश का सशक्त संकल्प है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि अब मेट्रो शहरों की तर्ज पर डीपीएनजी (डोमेस्टिक पाइप्ड नेचुरल गैस) के माध्यम से घरों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को पाइपलाइन से गैस उपलब्ध होगी। इससे घरेलू उपभोक्ताओं को रिफिलिंग की झंझट से मुक्ति मिलेगी और सुरक्षा भी बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि सस्ती और सुलभ ऊर्जा मिलने से उद्योग क्षेत्र को भी गति मिलेगी तथा प्रदेश में निवेश की संभावनाएं सशक्त होंगी।

मुख्यमंत्री ने एचसीजी समूह को बधाई देते हुए अपेक्षा व्यक्त की कि वे रायपुर सहित बलौदाबाजार और गरियाबंद जिले में शीघ्र ही सीएनजी स्टेशनों का व्यापक नेटवर्क विकसित करेंगे। उन्होंने कहा कि वाहनों में सीएनजी के उपयोग से प्रदूषण में कमी आएगी और आम नागरिकों के ईंधन खर्च में भी राहत मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल ही में प्रस्तुत राज्य बजट में अधोसंरचना विकास के लिए महत्वपूर्ण प्रावधान किए गए हैं। सरकार का लक्ष्य है कि शहरों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध हों और प्रदेशवासियों को मेट्रो शहरों जैसी सुविधाओं का अनुभव हो। उन्होंने कहा कि विकास और पर्यावरण संरक्षण साथ-साथ चलें, इस दिशा में सरकार ग्रीन एनर्जी को प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने प्रदेशवासियों से अपील की कि वे स्वच्छ ईंधन अपनाकर पर्यावरण संरक्षण में सहभागी बनें और हरित, विकसित एवं आत्मनिर्भर छत्तीसगढ़ के निर्माण में योगदान दें।

उल्लेखनीय है कि सिटी गैस अवसंरचना परियोजना रायपुर, बलौदाबाजार और गरियाबंद जिलों में प्रारंभ की गई है। इसके माध्यम से घरेलू उपयोग तथा व्यावसायिक प्रतिष्ठानों हेतु पाइपलाइन द्वारा पीएनजी की आपूर्ति की जाएगी तथा वाहनों के लिए सीएनजी भी उपलब्ध होगा। कार्यक्रम में एचसीजी समूह के प्रबंध निदेशक राहुल चोपड़ा, निदेशक राजीव माथुर, अध्यक्ष दीपक सावंत, राकेश रंजन, गैल इंडिया के प्रतिनिधि एवं उद्योग जगत के लोग उपस्थित रहे।

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के प्रयासों से ग्रामीण संपर्क को नई रफ्तार : 5.10 किलोमीटर सड़क निर्माण को प्रशासनिक स्वीकृति

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश में अधोसंरचना विकास को नई दिशा देते हुए महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री एवं भटगांव विधायक श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के विशेष प्रयासों से सूरजपुर जिले के ग्रामीण अंचलों को बड़ी सौगात मिली है। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि सड़क केवल भौतिक संरचना नहीं, बल्कि विकास की आधारशिला है। मजबूत और सुदृढ़ सड़क नेटवर्क से सामाजिक एवं आर्थिक गतिविधियों को नई ऊर्जा मिलती है। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने बताया कि सूरजपुर जिला के पहाड़गांव से गोपालपुर होते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग- 43 तक पहुंच मार्ग के निर्माण कार्य को प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान कर दी गई है।

वित्तीय वर्ष 2024-25 के बजट में शामिल इस महत्वाकांक्षी परियोजना के अंतर्गत 5.10 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण पुल-पुलिया सहित किया जाएगा। यह सड़क क्षेत्र के अनेक ग्रामों के लिए मुख्य संपर्क मार्ग के रूप में विकसित होगी, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों का जिला मुख्यालय एवं राष्ट्रीय राजमार्ग से सीधा और सुगम जुड़ाव सुनिश्चित होगा।

इस सड़क निर्माण से आवागमन अधिक सुरक्षित एवं सुविधाजनक बनेगा। किसानों को अपनी उपज बाजार तक समय पर पहुंचाने में सहूलियत मिलेगी, विद्यार्थियों को शिक्षण संस्थानों तक आवागमन में आसानी होगी तथा आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं तक त्वरित पहुंच संभव हो सकेगी। साथ ही स्थानीय व्यापारिक गतिविधियों को गति मिलेगी और रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि राज्य सरकार ग्रामीण अंचलों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है और चरणबद्ध रूप से आधारभूत सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है।

दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण को लेकर राज्यभर में तेज होगा अभियान : लोकेश कावड़िया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ दिव्यांगजन वित्त एवं विकास निगम के अध्यक्ष लोकेश कावड़िया ने कहा है कि राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप दिव्यांगजनों तक सभी कल्याणकारी योजनाओं का अधिकतम और समयबद्ध लाभ पहुंचाया जाएगा। उन्होंने बिलासपुर प्रवास के दौरान जिला प्रशासन एवं समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की। अध्यक्ष कावड़िया ने निर्देश दिए कि प्रशिक्षण कार्यक्रमों को सीधे रोजगार एवं आय सृजन से जोड़ा जाए, ताकि दिव्यांगजन आत्मनिर्भर बन सकें। उन्होंने ऋण वितरण प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाने तथा अधिकाधिक हितग्राहियों को लाभान्वित करने पर जोर दिया।

समीक्षा बैठक में यूडीआई डी कार्ड निर्माण, ऋण प्रकरणों की स्वीकृति, सहायक उपकरण वितरण तथा स्वरोजगार योजनाओं की प्रगति पर चर्चा की गई। अधिकारियों ने जानकारी दी कि

नियमित शिविरों के माध्यम से पात्र दिव्यांगजनों को चिन्हित कर योजनाओं से जोड़ा जा रहा है। प्रवास के दौरान कावडिया ने विशेष विद्यालयों, दिव्यांग संस्थाओं एवं छात्रावासों का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। बच्चों एवं प्रशिक्षुओं से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और शिक्षा, कौशल विकास तथा पुनर्वास सेवाओं की गुणवत्ता में निरंतर सुधार के निर्देश दिए। श्री कावड़िया ने कहा कि राज्य स्तर पर योजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग की जाएगी, ताकि किसी भी पात्र दिव्यांगजन को लाभ से वंचित न रहना पड़े और सशक्त, आत्मनिर्भर छत्तीसगढ़ के निर्माण में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित हो सके।

गार्बेज से गौरव तकः डंपिंग ग्राउंड से बनी 'जनजातीय गौरव वाटिका'

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जनजातीय गौरव वाटिका आज बस्तर जिले में विकास, पर्यावरण संरक्षण और रोजगार सृजन का एक उत्कृष्ट उदाहरण बन चुकी है। जगदलपुर के कुम्हड़ाकोट क्षेत्र में स्थित यह स्थान कभी गंदगी और अतिक्रमण से प्रभावित डंपिंग ग्राउंड था, लेकिन अब यह एक सुंदर पर्यटन स्थल और स्वरोजगार का केंद्र बन गया है। इस परिवर्तन के पीछे वन विभाग की विशेष पहल और शासन की योजनाओं का महत्वपूर्ण योगदान है।

वन मंत्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन तथा प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) अरुण कुमार पांडेय के नेतृत्व में इस क्षेत्र का व्यापक विकास किया गया। आरक्षित वनखंड कक्ष क्रमांक 1021 के इस क्षेत्र को साफ-सुथरा

कर यहाँ लगभग 1700 मीटर लंबा नेचर ट्रेल बनाया गया है। साथ ही सुंदर तालाब और एक आकर्षक आइलैंड विकसित किया गया है। लोगों के स्वास्थ्य और मनोरंजन के लिए योग चबूतरा, योग शेड और ओपन जिम की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। बैठने के लिए पाँच सुंदर पैगोड़ा और एक आकर्षक पुल भी बनाया गया है।

इस वाटिका की खास बात इसकी समृद्ध वनस्पति है। यहाँ औषधीय पौधे, फलदार वृक्ष और बांस की विभिन्न प्रजातियाँ लगाई गई हैं। पूरी वाटिका को इको-फ्रेंडली और प्लास्टिक मुक्त क्षेत्र के रूप में विकसित किया गया है। यह परियोजना केवल पर्यावरण सुधार तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे स्थानीय महिलाओं को रोजगार भी मिला है। महिला स्व-सहायता समूह द्वारा यहाँ जंगल कैंटीन का संचालन किया जा रहा है, जहाँ पर्यटक स्थानीय व्यंजनों का आनंद लेते हैं।

डीएफओ उत्तम कुमार गुप्ता ने बताया कि इस पहल से 20 महिलाओं का समूह आत्मनिर्भर बना है। अब तक 10 हजार से अधिक पर्यटक यहाँ आ चुके हैं, जिससे महिला समूह को लगभग दो लाख रुपये की आय प्राप्त हुई है। आज यह स्थान शहरवासियों के लिए सुबह की सैर, योग और शांति का पसंदीदा स्थल बन गया है। 'गार्बेज से गौरव' तक का यह सफर बताता है कि सही योजना, मजबूत नेतृत्व और जनभागीदारी से किसी भी स्थान का कायाकल्प संभव है। यह सफलता कहानी पर्यावरण संरक्षण और महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक प्रेरणादायक मिसाल है।

किसानों की समृद्धि और खुशहाली से ही विकसित भारत का सपना होगा साकारः सीएम साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि अन्नदाता देश की अर्थव्यवस्था की मजबूत रीढ़ है और किसानों की समृद्धि और खुशहाली से ही विकसित भारत का सपना साकार होगा। मुख्यमंत्री से आज उनके निवास कार्यालय में प्रदेश के किसानों ने सौजन्य मुलाकात की और कृषक उन्नति योजना के माध्यम से धान के अंतर की 10 हजार करोड़ रुपए से अधिक की राशि होली से पूर्व किसानों के खातों में अंतरित करने की घोषणा पर आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर किसानों ने मुख्यमंत्री को धान से तौलकर प्रदेश के अन्नदाताओं की ओर से अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री साय

ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सदैव किसानों की चिंता करते हैं और उनकी आय बढ़ाने के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत एक कृषि प्रधान देश है और किसानों की उन्नति ही राष्ट्र की प्रगति का आधार है। उन्होंने कहा कि अटल जी के समय किसानों को सशक्त बनाने के लिए किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) जैसी महत्वपूर्ण व्यवस्था लागू की गई, जिससे किसानों को कम ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध होने लगा। इससे पहले किसानों को महाजनों से ऊंचे ब्याज पर कर्ज लेना पड़ता था, जिससे वे आर्थिक शोषण का शिकार होते थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब किसानों को ब्याज मुक्त पूंजी की सुविधा मिल रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री सिंचाई योजना के माध्यम से किसानों के खेतों तक पानी पहुंच रहा है और प्रदेश में सिंचाई का रकबा लगातार बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार किसानों से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से खरीद रही है, जो देश में सर्वाधिक है। उन्होंने कहा कि सरकार ने निर्णय लिया है कि धान के अंतर की लगभग 10 हजार करोड़ रुपए से अधिक की राशि होली से पूर्व किसानों के खातों में अंतरित की जाएगी। 28 फरवरी को बिलासपुर जिले से इस राशि का अंतरण किया जाएगा और पूरे प्रदेश के विकासखंडों में इसे उत्सव की तरह मनाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस वर्ष 25 लाख 24 हजार किसानों से 141 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी की गई है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि राज्य सरकार आगे भी किसानों के हित में प्रतिबद्धता के साथ कार्य करती रहेगी। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य बीज विकास निगम के अध्यक्ष श्री चंद्रहास चंद्राकर सहित प्रदेश भर से आए किसान उपस्थित थे।

बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने में चिकित्सक निभाएंगे अग्रणी भूमिका - श्याम बिहारी जायसवाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर के सिविल लाइन स्थित सर्किट हाउस में क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज, वेल्लोर द्वारा आयोजित पी. जी. डिप्लोमा इन फैमिली मेडिसिन के दीक्षांत समारोह का आयोजन गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने समारोह में सफलतापूर्वक डिप्लोमा पाठ्यक्रम पूर्ण करने वाले सभी डॉक्टरों को प्रमाणपत्र प्रदान किया।

स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने इस अवसर पर अपने संबोधन में कहा कि यह पाठ्यक्रम चिकित्सा पेशेवरों की उत्कृष्ट शिक्षा, समर्पण एवं सेवा भावना को मान्यता प्रदान करता है। फैमिली मेडिसिन की यह विशेष प्रशिक्षण व्यवस्था न केवल चिकित्सकों के कौशल को सुदृढ़ करती है, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग तक गुणवत्तापूर्ण और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

इस मौके पर स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने अपने संदेश में कहा कि संस्थान से प्राप्त ज्ञान और व्यावहारिक कौशल के माध्यम से ये सभी चिकित्सक समाज के अंतिम व्यक्ति तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने में अग्रणी भूमिका निभाएंगे तथा प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था को और अधिक सशक्त बनाने में योगदान देंगे।

समारोह के दौरान डिप्लोमा प्राप्त करने वाले सभी डॉक्टरों को उनकी इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी गईं।

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म, 7 साल की सजा

कोरबा। सोशल मीडिया से दोस्ती के बाद शादी का झांसा देकर दुष्कर्म के मामले में फास्ट ट्रैक कोर्ट ने दोषी को 7 साल की सजा सुनाई है। मामला सिविल लाइन थाना अंतर्गत सीएसईबी कॉलोनी में वर्ष 2024 में घटित हुई थी। जहां निवासरत प्रवीण डहरिया ने एक युवती से सोशल मीडिया के माध्यम से दोस्ती करके मोबाइल नंबर लेकर बातचीत शुरू की। बाद में उसने युवती को पसंद करने की बात कहते हुए शादी करने का वादा किया। कॉलोनी स्थित मकान में लाकर प्रवीण ने कई बाद पीड़िता से दुष्कर्म किया। बाद में वह शादी के लिए अपने समाज में दूसरी लड़की की तलाश करने लगा, जानकारी होने पर पीड़िता ने परिवार समेत उसके पास पहुंचकर बातचीत की तो वह उससे शादी करने से साफ मुकर गया। दिसंबर 2024 में पीड़िता ने सिविल लाइन थाना पहुंचकर घटना की रिपोर्ट लिखाई। पुलिस ने मामले में आरोपी प्रवीण के खिलाफ दुष्कर्म का केस दर्ज किया। शासन की ओर से मामले में लोक अभियोजन अधिकारी मोहन सोनी ने पैरवी की। कोर्ट में आरोपी पर दोष सिद्ध हो गया। जिसके आधार पर कोर्ट की जज सीमा प्रताप चंद्र ने दोषी को 7 साल की सजा सुनाई।

सड़क हादसे में मृत 3 लोगों के परिजन को मिली मदद

रायगढ़। रायगढ़ अनुविभाग में हुई सड़क दुर्घटनाओं में मृत तीन लोगों के परिजनों को प्रशासन ने 25-25 हजार रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की। एसडीओ (राजस्व) की जांच व अनुशंसा पर राज्य शासन के प्रावधानों के तहत यह राशि दी गई। 12 जनवरी 2026 को सोनमुड़ा नवापारा के रामेश्वर निषाद व तरुण निषाद तथा 1 मई 2025 को ननसिया के तरुण चक्रपाणि की दुर्घटनाओं में मृत्यु हुई थी।

नहर में डूबने से मौत, परिजन को दी गई आर्थिक सहायता

जांजगीर। जांजगीर प्राकृतिक आपदा से मृत्यु के प्रकरण में शासन ने चार लाख रुपए की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की है। राजस्व और आपदा प्रबंधन विभाग के अनुसार सक्ती जिले की तहसील हसौद के ग्राम रीवाडीह निवासी अशोक कुमार की नहर में डूबने से मौत हो गई थी। राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के प्रावधानों के तहत मृतक के निकटतम वारिस उनके पिता चंद्रिका प्रसाद को निर्धारित शर्तों के अधीन चार लाख रुपए की अनुदान राशि स्वीकृत की गई है।

मायन नाले में डूबे व्यक्ति का शव बरामद किया गया

जगदलपुर। ग्राम छिंदवाड़ा के मायन नाले में गुरुवार को एक व्यक्ति के डूबने से मौत हो गई। प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एसडीआरएफ की टीम को मौके पर रवाना किया। घटनास्थल पर पहुंची रेस्क्यू टीम ने नाले के बीच सर्चिंग अभियान चलाया। घंटों की मशक्कत के बाद टीम को सफलता मिली और 50 वर्षीय कमलू नाग का शव नाले से बाहर निकाल लिया गया। एसडीआरएफ ने आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करने के बाद शव को स्थानीय पुलिस के सुपुर्द कर दिया।

ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा गिरोह का भंडाफोड़

भारत-साउथ अफ्रीका मैच पर दांव लगाते 3 आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग जिले के सिटी कोतवाली पुलिस ने असरफनगर तकियापारा स्थित एक मकान में ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा गिरोह का भंडाफोड़ किया है। यह गिरोह भारत बनाम साउथ अफ्रीका क्रिकेट मैच पर दांव लगवा रहा था। पुलिस ने इस मामले में फरार आरोपी समेत 3 लोगों को गिरफ्तार किया है। मौके से 2 लाख 70 हजार 500 रुपए की सामग्री और कैश जब्त की गई है।

पुलिस को 22 फरवरी 2026 को मुखबिर से सूचना मिली थी कि, असरफ नगर के एक मकान में भारत-साउथ अफ्रीका मैच पर ऑनलाइन सट्टा चल रहा है। इस सूचना पर तत्काल कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने तत्काल मकान की घेराबंदी कर दबिश दी।

ऑनलाइन लगवा रहे थे सट्टा

दबिश के दौरान पुलिस ने पाया कि मकान के ऊपरी कमरे में एक एलईडी टीवी पर लाइव मैच चल रहा था। आरोपी मोबाइल के जरिए लोगों से संपर्क कर ऑनलाइन सट्टा खिला रहे थे। पुलिस को देखते ही एक आरोपी मौके से फरार हो गया, लेकिन दो लोगों को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया गया।

पूछताछ में गिरफ्तार आरोपियों ने स्वीकार किया कि, वे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल कर मैच पर दांव लगवा रहे थे। पुलिस ने मौके से एक लैपटॉप, एक एलईडी टीवी, चार मोबाइल फोन, एक डीवीआर, चार्जर, जियो सेटअप बॉक्स और वाई-फाई उपकरण जब्त किए। इसके अतिरिक्त, 5000 रुपए कैश और एक लेखा कॉपी भी मिली है।

2 लाख से अधिक का सामान जब्त, केस दर्ज

जब्त की गई सामग्री की कुल कीमत 2 लाख 70 हजार 500 रुपये आंकी गई है। लेखा कॉपी में सट्टे के लेन-देन का विस्तृत विवरण दर्ज था, जो इस गिरोह के संगठित नेटवर्क का संकेत देता है। इस मामले में अपराध क्रमांक 90/2026 के तहत छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 की धारा 4, 6, 7 और बीएनएस की धारा 112(2) के अंतर्गत प्रकरण दर्ज किया गया है।

प्रारंभिक कार्रवाई में गिरफ्तार किए गए दो आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर भेजा गया था। बाद में, पुलिस ने फरार आरोपी शाहिल कुरैशी उर्फ सोनू का पता लगाकर उसे भी गिरफ्तार कर लिया। अब तक कुल तीन आरोपी पुलिस की गिरफ्त में हैं, और अन्य संभावित आरोपियों की तलाश जारी है।

गिरफ्तार आरोपी के नाम

(1) सोहेल अहमद खान उर्फ मामू (35),निवासी असरफ नगर तकियापारा, दुर्ग ।
(2) संतोष कुमार गोंड (38), निवासी रूआबांधा कुंदरापारा, भिलाई ।
(3) शाहिल कुरैशी उर्फ सोनू (30), निवासी असरफ नगर तकियापारा, दुर्ग।

क्रिकेट के जुनून में अवैध कमाई

पुलिस के अनुसार, आरोपी क्रिकेट मैच के दौरान लोगों के उत्साह का फायदा उठाकर अवैध आर्थिक लाभ अर्जित कर रहे थे। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से हार-जीत पर दांव लगवाकर मोटी रकम वसूल की जा रही थी।

135 आंगनबाड़ियों में वॉल पेंटिंग की आड़ में 67 लाख का घोटाला

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। जगदलपुर नारायणपुर जिले में आम आदमी पार्टी ने जिला निर्माण समिति पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है। आप के बस्तर लोकसभा अध्यक्ष नरेंद्र नाग ने कहा कि प्रशासन व जिला निर्माण समिति ने नीति आयोग के नाम पर योजनाओं की राशि विकास कार्यों में लगाने के बजाय इसमें भ्रष्टाचार किया है।

जिले के करीब 135 आंगनबाड़ी केंद्रों में वॉल पेंटिंग के नाम पर करीब 67 लाख रुपए का खर्च दर्शाया गया है, लेकिन इतनी राशि खर्च होने के बावजूद जमीनी स्तर पर गुणवत्ता और वास्तविकता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। इस पर पूरे मामले की स्वतंत्र और उच्चस्तरीय तकनीकी जांच की मांग आप ने की है।

इसमें खर्च की मंजूरी, भुगतान, कार्य निष्पादन से जुड़े सभी दस्तावेजों को सार्वजनिक करने, दोषी अफसर-ठेकेदारों के खिलाफ तत्काल एफआईआर दर्ज कर कड़ी कार्रवाई करने की मांग की गई है।

बिना हेलमेट बिजली खंभे पर चढ़ा कर्मी करंट लगने से गिरा, सिर पर लगे 15 टांके

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर। थाना क्षेत्र में दुर्गा मंदिर के पीछे गली, मॉडर्न कॉलेज व हॉस्टल के पास विद्युत कार्य के दौरान एसएनडी इलेक्ट्रिकल कंपनी का ठेकाकर्मी जितेन खरे करंट की चपेट में आ गया। चालू लाइन पर खंभे पर चढ़े जितेन का संतुलन बिगड़ा और वे सीढ़ी से नीचे गिर पड़े। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि झटके से सिर व कमर पर चोट लगने से वे बेहोश हो गए।

घायल जितेन को तत्काल स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, जहां सिर पर गहरे घाव के कारण 15 टांके लगाए गए। कमर की चोट पर एक्स-रे सामान्य आया, लेकिन सीटी स्कैन सहित जांच की सलाह दी गई। बेहतर इलाज के लिए उन्हें किम्स अस्पताल रेफर कर दिया गया। विभागीय सूत्रों के अनुसार, जितेन सरकारी कर्मचारी नहीं, बल्कि ठेकेदार के अधीन कार्यरत थे।

बिजली अधिकारियों ने सुरक्षा नियमों का हवाला देते हुए कहा कि कर्मचारियों को हेलमेट, ग्लव्स पहनने के निर्देश दिए जाते हैं। घटना से आधा घंटे पूर्व भी सुरक्षा उपकरण पहनाए गए थे, किंतु जितेन ने हेलमेट न पहनने से सिर पर गंभीर चोट आई। ठेकेदार की जिम्मेदारी बताते हुए बोले कि बीमा व प्रावधानों से इलाज का खर्च वहन किया जा रहा है। लापरवाही की जांच जारी है। दोषी पाए जाने पर कार्रवाई की जाएगी।

जमीन बेचने के नाम पर 55 लाख की ठगी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के सुपेला थाना क्षेत्र में 55 लाख रुपए की ठगी के मामले में पुलिस ने तीसरे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। यह ठगी जमीन के सौदे में मोटा मुनाफा दिलाने का झांसा देकर की गई थी। जिसमें फर्जी दस्तावेजों के सहारे बैंक खाते खुलवाकर रकम निकाली गई। इस मामले में अब तक तीन आरोपी पकड़े जा चुके हैं।

ठगी का यह मामला दुर्ग के पटवारी हल्का क्रमांक 20 कातुल बोर्ड से संबंधित है। आरोपियों ने खसरा नंबर 144/7 और 144/03 की भूमि को बेचने की साजिश रची थी। यह जमीन राजस्व रिकॉर्ड में संदीप जैन और अनुराग जैन के नाम पर दर्ज है।

आरोपियों ने पीड़ित ज्ञानेश्वर सिंह को विश्वास में लिया और 24 जनवरी 2020 को इकरारनामा किया। उन्होंने ज्ञानेश्वर सिंह से नकद और बैंक खाते के माध्यम से अलग-अलग किश्तों में कुल 55 लाख रुपए ले लिए। जांच में सामने आया कि आरोपियों ने असली भूमि स्वामियों के नाम से फर्जी आधार कार्ड और पैन कार्ड बनवाए थे। इन्हीं फर्जी दस्तावेजों के आधार पर आईसीआईसीआई बैंक में एक खाता खुलवाया गया और ठगी की पूरी रकम उसी खाते से निकाल ली गई।

दस्तावेजों से हुआ ठगी का खुलासा

ठगी का यह तरीका बेहद सुनियोजित था, जिसके कारण पीड़ित को लंबे समय तक इसकी भनक नहीं लगी। जब जमीन के कागजातों की वास्तविकता सामने आई, तब जाकर इस धोखाधड़ी का खुलासा हुआ। शिकायत पर सुपेला थाने में अपराध क्रमांक 191/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

इससे पहले, इस मामले में आरोपी कुलदीप सिंह सोनी और जोगी सिंह सोनी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा जा चुका है। अब पुलिस ने तीसरे आरोपी अजमेर सिंह (60) निवासी कल्पतरू अपार्टमेंट, कृष्णा टॉकीज रोड, रिसाली, थाना नेवई, जिला दुर्ग को भी गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है।

फर्जी दस्तावेज और बैंक रिकॉर्ड जब्त

पुलिस ने आरोपी के कब्जे से फर्जी आधार कार्ड, फर्जी पैन कार्ड और बैंक से संबंधित दस्तावेज जब्त किए हैं। जांच एजेंसियां अब यह पता लगाने में जुटी हैं कि इस गिरोह ने इसी तरह अन्य लोगों को भी निशाना बनाया है या नहीं।

एचआईवी पॉजिटिव महिला की पहचान उजागर, एफआईआर दर्ज

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। जगदलपुर के सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में प्रसव के लिए आई एचआईवी पॉजिटिव महिला से दुर्व्यवहार किया गया। पहचान भी सार्वजनिक की गई। अब पुलिस ने स्टाफ नर्स समेत अन्य लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। मामला परपा थाना क्षेत्र का है।

पीड़िता का आरोप है कि, ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर और स्टाफ ने उसके एचआईवी संक्रमित होने की जानकारी सार्वजनिक कर दी। तंज कसते हुए उसके साथ अपमानजनक व्यवहार किया। इतना ही नहीं, प्रसव के बाद उससे सफाई का काम कराने का भी आरोप है। इस घटना से महिला को गहरा मानसिक आघात पहुंचा।

परिजनों ने इसे मरीज के अधिकारों और निजता का गंभीर उल्लंघन बताते हुए शिकायत दर्ज कराई थी। मामला सामने आने के बाद परपा पुलिस ने स्टाफ नर्स और अन्य संबंधित लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि जांच में जिनकी भी भूमिका सामने आएगी, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

एनजीओ ने भी उठाया था मामला

पीड़िता को न्याय दिलाने के लिए बस्तर पॉजिटिव नेटवर्क से जुड़े कार्यकर्ताओं ने भी हस्तक्षेप किया है। एचआईवी संक्रमित मरीजों के साथ किसी भी तरह का भेदभाव अस्वीकार्य है और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

क्या कहता है नियम?

- भारत में एचआईवी संक्रमित व्यक्तियों के अधिकारों की सुरक्षा के लिए एचआईवी और एड्स (रोकथाम एवं नियंत्रण) अधिनियम, 2017 लागू है। इस कानून के तहत किसी भी एचआईवी संक्रमित व्यक्ति की पहचान और स्वास्थ्य संबंधी जानकारी गोपनीय रखना अनिवार्य है।
- बिना मरीज की लिखित अनुमति उसके एचआईवी स्टेटस का खुलासा करना दंडनीय अपराध है।
- एचआईवी संक्रमित व्यक्ति के साथ इलाज, भर्ती, प्रसव या अन्य स्वास्थ्य सेवाओं में भेदभाव नहीं किया जा सकता।
- किसी भी प्रकार का अपमानजनक व्यवहार, सेवा से इनकार या अलग व्यवहार कानूनन गलत है।
- इसके अलावा, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन की गाइडलाइन भी कहती है कि एचआईवी संक्रमित गर्भवती महिला को सुरक्षित और सम्मानजनक प्रसव सुविधा उपलब्ध कराना स्वास्थ्य संस्थान की जिम्मेदारी है।

बीजापुर में रात में गिराए जा रहे सागौन के पेड़

श्रीकंचनपथ न्यूज

बीजापुर। बीजापुर के दुगोली इकोपार्क में वन विभाग द्वारा रात के अंधेरे में बुलडोजर लगाकर बेशकीमती सागौन के पेड़ गिराए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि अब तक लगभग 20 पेड़ जमींदोज किए जा चुके हैं, जबकि कुल 35 पेड़ गिराने की योजना है। इस कार्रवाई का कारण नर्सरी विकसित करना और पेड़ों की छांव से पौधों को पर्याप्त रोशनी न मिलना बताया गया है।

इस कार्रवाई को लेकर पारदर्शिता पर सवाल उठ रहे हैं, क्योंकि न तो रेंजर, न एसडीओ और न ही सीसीएफ ने कोई आधिकारिक आदेश साझा किया है। विशालकाय पेड़ों को मशीनों से काटा जा रहा है और बुलडोजर से हटाया जा रहा है। रात के अंधेरे में की जा रही यह जल्दबाजी में की गई कार्रवाई संदेह के घेरे में है।

वन विभाग के एसडीओ देवेंद्र गोंड ने इस मामले पर टिप्पणी करते हुए कहा कि रात में कार्रवाई करने की आवश्यकता नहीं थी और यह दिन में भी की जा सकती थी। उन्होंने बताया कि पेड़ों को गिराने का आदेश डीएफओ द्वारा दिया गया है और सीसीएफ की अनुशंसा के लिए पत्र भेजा गया है। हालांकि, एसडीओ गोंड आदेश की प्रति उपलब्ध नहीं करा सके।

वहीं, जगदलपुर के सीसीएफ आलोक तिवारी ने पुष्टि की कि उन्होंने ही पेड़ों को गिराने की अनुशंसा की थी। उन्होंने बताया कि पिछली बार दौरे के दौरान उन्होंने स्थिति का जायजा लिया था और पेड़ों को हटाने का निर्देश दिया था। सीसीएफ तिवारी ने यह भी बताया कि उनका कल फिर से क्षेत्र का दौरा है।

ट्रक ने पीछे से बाइक को मारी टक्कर, युवक की मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग जिले के रसमड़ा स्थित रायपुर स्टील प्लांट के सामने ट्रक ने बाइक को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। उसके साथ बैठा दोस्त बाल-बाल बच गया। उसके सामने ही दोस्त ट्रक के पहिए में फंस गया। घटना पुलगांव थाना क्षेत्र की है।

जानकारी के मुताबिक, शुक्रवार को ग्राम सलोनी निवासी ऐमंत साहू अपने साथी के साथ बाइक क्रमांक सीजी 07जेडआर3592 से रसमड़ा स्थित ए.एस. ग्लोबल फेब्रिकेशन कंपनी काम पर जा रहा था। बाइक ऐमंत

चला रहा था और उसका दोस्त पीछे बैठा था। दोनों रोज इसी बाइक से कंपनी आते-जाते थे।

पीछे से आ रही ट्रक ने मारी टक्कर

जब वे रायपुर स्टील प्लांट के सामने पहुंचे, तभी पीछे से आ रहे ट्रक क्रमांक सीजी 07 बीएफ 3747 ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। बताया जा रहा है कि ड्राइवर ट्रक को तेज रफ्तार और लापरवाही से चला रहा था। टक्कर इतनी जोरदार थी कि, पीछे बैठा युवक बाहर की ओर जा गिरा, जबकि ऐमंत ट्रक के नीचे की ओर फंस गया।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि, हादसे के बाद ट्रक मौके पर ही चालू हालत में रुक गई। पीछे बैठे युवक को ज्यादा चोट नहीं आई, इसलिए वह तुरंत उठकर अपने दोस्त को बचाने के लिए दौड़ा। ऐमंत ट्रक के नीचे फंसा हुआ था और मदद के लिए चिल्ला रहा था। वहां मौजूद लोगों ने भी ट्रक ड्राइवर को बताया कि युवक नीचे फंसा है।

इसके बावजूद ड्राइवर ने लापरवाही करते हुए ट्रक को आगे बढ़ा दिया। ट्रक आगे बढ़ने से ऐमंत काफी दूर तक घसीटता चला गया। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। लोगों ने शोर मचाकर ट्रक रुकवाया और फिर पीछे करवाकर ऐमंत को सामने वाले पहिए के पास से बाहर निकाला।

जांच के बाद डॉक्टरों ने किया मृत घोषित

ऐमंत को तुरंत रायपुर स्टील प्लांट की एंबुलेंस से भिलाई के निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना परिजन को दी गई। पुलगांव पुलिस ने मामले में अपराध दर्ज कर लिया है।

पुलिस ने ट्रक चालक के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और आरोपी चालक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

कार की डिक्की से गांजे के 65 पैकेट जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

अंकिरा। तपकरा थाना क्षेत्र के सीमावर्ती ग्राम लावाकेरा में स्थित अंतरराज्यीय पुलिस जांच चौकी में गुरुवार सुबह लगभग 6 बजे पुलिस ने एक कार से 65 किलो गांजा जब्त किया है। जब्त गांजे की कीमत करीब 5 लाख 20 हजार रुपए है। इस मामले में पुलिस ने कार चालक को गिरफ्तार किया है जो बिहार के सिवान जिले के निवासी है।

पुलिस ने बताया कि गुरुवार की सुबह 6 बजे नियमित वाहन चेकिंग के दौरान ओडिशा की ओर से आ रही हुंडई वेरना कार क्रमांक डीएल 8 सीएक्स 8014 को संदेह के आधार पर रोका गया। चेकिंग के दौरान वाहन चालक घबराया हुआ दिखाई दिया। जिससे पुलिस का संदेह और गहरा गया। इसके बाद पुलिस टीम ने वाहन की सघन तलाशी ली। तलाशी के दौरान कार की पिछली डिक्की में रखे दो बोरों को बाहर निकालकर खोला गया, जिसमें कुल 65 पैकेट गांजा बरामद हुआ। प्रत्येक पैकेट को विधिवत गिनती कर जब्त किया गया। पुलिस ने तत्काल वाहन चालक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की। मामले में पुलिस ने बिहार के सिवान निवासी सुमन कुमार हिमांशु को गिरफ्तार किया है। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह ओडिशा से गांजा लेकर बिहार जा रहा था।

पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि गांजा किस स्थान से खरीदा था। आरोपी के विरुद्ध नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सबस्टेंस (एनडीपीएस) एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। साथ ही अंतरराज्यीय तस्करी नेटवर्क की कड़ियों को खंगालने के लिए जांच तेज कर दी गई है। इस पूरी कार्रवाई में सहायक उप निरीक्षक रामजी साय के नेतृत्व में प्रधान आरक्षक प्रकाश नारायण बाजपेई, अजय लकड़ा, आरक्षक रामसागर नायक, अमित कुमार त्रिपाठी, धीरेन्द्र मधुकर, महिला आरक्षक मंजू यादव व सैनिक डमरुधर यादव की सराहनीय भूमिका रही।

राइस मिल में करंट की चपेट में आया युवक, मौत

देवरी-चांपा। पचोरी मोड़ बम्हनीडीह रोड के पास स्थित श्रीराम राइस मिल में काम कर रहे 26 वर्षीय मजदूर की करंट लगने से मौत हो गई। मृतक गंगाराम पटेल पिता खीखराम पटेल निवासी पलाड़ीखुर्द नदियापारा दोपहर एक बजे काम करते समय अचानक करंट की चपेट में आ गया।

घटना के दौरान वह गंभीर रूप से झुलस गया। साथियों ने उसे तुरंत अस्पताल ले जाने का प्रयास किया, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन और ग्रामीण बड़ी संख्या में सारागांव थाना पहुंचे और मुआवजे की मांग करने लगे। पुलिस ने शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए सीएचसी बम्हनीडीह भेजा।

छत्तीसगढ़ शासन

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव 25 वर्षों का उत्सव वर्षों का संकल्प

किसान हितैषी विष्णु सरकार

वृहद किसान सम्मेलन

दो साल में विभिन्न योजनाओं के तहत किसानों के खाते में **₹1.50 लाख करोड़** से अधिक की राशि अंतरित

- **33,431 करोड़ रूपए** समर्थन मूल्य का भुगतान
- **3100 रूपए** प्रति क्विंटल की दर से राज्य के किसानों से प्रति एकड़ **21 क्विंटल धान खरीदी**
- वर्ष 2025-26 में **141.04 लाख मीट्रिक टन** की धान खरीदी
- **11,000 रुपए** प्रति एकड़ की दर से दलहन, तिलहन,मक्का,कपास, कोदो-कुटकी-रागी पर भी इनपुट सब्सिडी

जीएसटी 2.0 लागू होने से **कृषि उपकरण** हुए सस्ते

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि दो साल में 26 लाख किसानों को **₹10,784 करोड़** वितरित

रबी सीज़न 2023-24 से 2025-26 के बीच

- खाद की खपत 41,84,850 मीट्रिक टन
- खाद सब्सिडी ₹7593.22 करोड़

कृषक उन्नति योजना अंतर्गत आदान सहायता राशि वितरण समारोह

सभी 146 विकासखण्डों में आयोजन

25.28 लाख किसानों के खातों में

₹10,324 करोड़

की आदान सहायता राशि होगी वितरित

बजट 2026-27 में कृषि क्षेत्र के लिए विशेष प्रावधान

- **₹600 करोड़** दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना
- **₹5,500 करोड़** विद्युत पम्पों हेतु बिजली सब्सिडी
- **₹820 करोड़** प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना
- **₹250 करोड़** इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय को अनुदान
- **₹170 करोड़** उद्यानिकी विश्वविद्यालय
- **₹170 करोड़** एकीकृत वाटर शेड प्रबंधन कार्यक्रम
- **₹150 करोड़** एकीकृत बागवानी विकास मिशन

RO - 47030/101

28 फरवरी 2026

खेल मैदान रहंगी, बिल्हा, जिला-बिलासपुर

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क | Visit us : /ChhattisgarhCMO /DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950